शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 224 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 20 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

साल 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए एकजुट हुए सांसद पेज 2
राज्य में शत प्रतिशत मतदान का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लोगों से किया आह्वान पेज 3
रामराज्य के आदर्शों से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण... पेज 5
चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में पहुंची बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख पेज 7

असम विधानसभा चुनाव

भाजपा की पहली लिस्ट जारी, प्रद्योत को भी टिकट

गुवाहाटी / नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने आज गुरुवार को उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली लिस्ट में 88 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया। हालांकि इस लिस्ट में दलबदलुओं पर काफी भरोसा जताया गया है। एक दिन पहले पार्टी में आए कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रद्युत बरदलै को भी टिकट दिया गया है। वह दिसपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे। जबकि सीएम हिमंत विश्व शर्मा अपनी जालुकबारी सीट से ही चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा की पहली लिस्ट में 88 उम्मीदवारों में भूपेन बोरा का भी नाम है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बोरा भी पिछले दिनों कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। जबकि एक अन्य पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता प्रद्युत बरदलै ने कल बुधवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और भाजपा में शामिल हो गए। उन्हें दिसपुर से भाजपा के टिकट पर उतारा गया है। पार्टी ने इस लिस्ट में 18 विधायकों के टिकट भी काट दिए हैं जिसमें कुछ मंत्री भी शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली को भी टिकट दिया गया है। अभी तेली राज्यसभा सांसद हैं, लेकिन उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है और उन्हें फिर से राज्यसभा नहीं भेजा गया है। उन्हें असम की दुलियाजन विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। मंगलदाई से नीलिमा देवी को उतारा गया है। भाजपा ने 88 उम्मीदवारों में से सिर्फ 6 महिलाओं को ही टिकट दिया है। इससे पहले भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने कल बुधवार को दिल्ली में एक बैठक की, जिसमें असम और पुडुचेरी में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई और उन्हें अंतिम रूप दिया गया। भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया के सबसे बड़े गैस भंडार पर इजरायल ने की स्ट्राइक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी टकराव अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां इसकी गूंज सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रही, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों और आर्थिक स्थिरता तक फैलने लगी है। इजरायल द्वारा ईरान के सबसे बड़े गैस भंडार साउथ पार्स पर किया गया हमला इस संघर्ष का अब तक का सबसे संवेदनशील और दूरगामी प्रभाव वाला कदम माना जा रहा है। यह पहली बार है जब इस जंग में सीधे किसी बड़े ऊर्जा उत्पादन केंद्र को निशाना बनाया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह सिर्फ सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि ईरान की आर्थिक रीढ़ और ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा प्रहार है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है। फारस की खाड़ी में स्थित साउथ पार्स गैस फील्ड दुनिया का सबसे बड़ा ज्ञात प्राकृतिक गैस भंडार है, जो ईरान और कतर के बीच साझा है। करीब 9,700 वर्ग किलोमीटर में फैला यह क्षेत्र न सिर्फ भौगोलिक दृष्टि से विशाल है, बल्कि ईरान की ऊर्जा व्यवस्था का केंद्रीय स्तंभ भी है। यह गैस फील्ड अकेले ही ईरान के कुल गैस उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत उपलब्ध कराता है। देश की बिजली आपूर्ति, औद्योगिक उत्पादन और घरेलू गैस जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी पर निर्भर है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसमें करीब 51 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर गैस भंडार मौजूद है, जो इसे वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर अत्यंत महत्वपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

भारत ने ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाने बनाने पर चिंता जतायी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष में ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने को लेकर चिंता जतायी है और इसे तुरंत बंद किए जाने का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना पर हुए हमलों के संबंध में गुरुवार को मीडिया के सवालों पर कहा कि भारत ने पहले भी इस -शेष पृष्ठ दो पर

जुबीन गर्ग हत्याकांड : सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन

गुवाहाटी (हि.स.)। जुबीन गर्ग हत्याकांड की सुनवाई के लिए एक विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया गया है, जिससे मामले का त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया जा सके। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस आशुतोष कुमार ने बक्सा की जिला न्यायाधीश शर्मिला भुइयां को इस मामले में रोजाना सुनवाई करने के लिए फास्ट-ट्रैक सेशन कोर्ट की अध्यक्षता करने के लिए नामित किया है। इस पहल से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आने और शीघ्र न्याय मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी हाई कोर्ट की भी तारीफ की और चीफ जस्टिस -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने चली 88 सीटों पर सोशल इंजीनियरिंग वाली चाल

आज नामांकन पर्चा भरेंगे सीएम

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पहली बड़ी चाल चल दी है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि भाजपा के केंद्रीय संसदीय बोर्ड ने 88 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों को हरी झंडी दे दी है। इस सूची में केवल धेमाजी जिले की *सिसिबोरगांव* सीट को अभी होल्ड पर रखा गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि इस बार पार्टी ने टिकट बंटवारे में असम के सामाजिक ढांचे का भी पूरा ख्याल रखा है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश रही है कि युवाओं, महिलाओं और अनुसूचित जाति-जनजाति के साथ-साथ नाथ समुदाय जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक समूहों को भी उचित प्रतिनिधित्व मिले। गौरतलब है कि भाजपा के इस लिस्ट में कई पुराने चेहरों की जगह -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मूर्ख लोग कार्यों के मध्य कठिनाई उत्पन्न होने पर दोष ही निकाला करते हैं।

- आचार्य चाणक्य

दिसपुर टिकट विवाद : जयंत दास का भाजपा पर हमला, नई पार्टी बनाने का एलान

गुवाहाटी (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता जयंत कुमार दास ने दिसपुर विधानसभा सीट से टिकट नहीं मिलने पर पार्टी नेतृत्व के खिलाफ तीखा हमला बोला और नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की। गुरुवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दास ने कहा कि उन्हें पांच साल पहले ही ऐसे हालात का अंदेशा था, बावजूद इसके उन्होंने 35 वर्षों तक पार्टी को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि मणिपुर जैसे कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने पार्टी के लिए काम किया, लेकिन आज उन्हें इसका उचित प्रतिफल नहीं मिला। जयंत दास गुरुवार को दिसपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि आंतरिक सर्वे में उनका नाम दिसपुर सीट के लिए सबसे ऊपर था, फिर भी उन्हें नजरअंदाज किया गया। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि प्रद्युत बरदलै को किस आधार पर टिकट दिया गया। दास ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि असम -शेष पृष्ठ दो पर

असम में कांग्रेस को एक ओर झटका

पिता के भाजपा में शमिल होने के बाद बेटे ने अपनी उम्मीदवारी वापस ली

गुवाहाटी। कांग्रेस पार्टी को असम एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल, मार्गेरिटा विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार प्रतीक बरदलै ने अपने पिता और पार्टी के पूर्व सांसद प्रद्युत बरदलै के भाजपा में शामिल होने के बाद अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे एक पत्र में प्रतीक ने कहा कि उनके पिता के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद उनकी उम्मीदवारी जारी रहने से लोगों और पार्टी के बीच उनकी प्रतिबद्धता को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा होगी। पत्र में लिखा है कि पार्टी के प्रति अत्यंत सम्मान और गहरी जिम्मेदारी की भावना के साथ मैं मार्गेरिटा विधानसभा क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी वापस लेने का निर्णय लेता हूं। मेरे पिता दूसरी राजनीतिक पार्टी में शामिल होने के वजह से वर्तमान परिस्थितियों में मुझे लगता है कि मेरे लिए उम्मीदवार के रूप में बने रहना उचित नहीं होगा। मेरा मानना है कि -शेष पृष्ठ दो पर

ईद-उल-फितर का चांद नजर नहीं आया कल मनाई जाएगी ईद

नई दिल्ली (हि.स.)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में गुरुवार को ईद-उल-फितर का चांद नजर नहीं आया है। वैसे भी मौसम खराब होने की वजह से चांद नजर आने की संभावनाएं कम हो गई थीं। इसके साथ ही देश के अन्य राज्यों से भी कहीं से चांद निकलने की सूचना नहीं मिली है, इसलिए शाही जामा मस्जिद के इमाम शाबान बुखारी ने मरकजी रुयत-ए-हिलाल कमेटी की बैठक के बाद यह एलान किया है कि शुक्रवार, 20 मार्च को रमजान का तीसवां रोजा रखा जाएगा और शनिवार, 21 मार्च को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाएगा। शाबान बुखारी ने बताया कि जामा मस्जिद में मगरिब की नमाज के बाद मरकजी रुयत-ए-हिलाल कमेटी की बैठक हुई है, जिसमें चांद देखने की कोशिश की गई लेकिन मौसम खराब होने की वजह से चांद दिखाई नहीं पड़ा। इसके बाद देश के अन्य राज्यों से भी टेलीफोन के माध्यम से संपर्क किया गया पर कहीं से भी चांद निकलने की सूचना प्राप्त नहीं हुई है, इसलिए कमेटी ने शनिवार, 21 मार्च को ईद मनाने का फैसला लिया है। इसी तरह शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी ईद-उल-फितर के चांद को लेकर एलान किया है। उन्होंने कहा है कि मस्जिद की रुयत-ए-हिलाल -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव से पहले असम-मेघालय ने सीमा समन्वय को मजबूत किया

गुवाहाटी। असम और मेघालय के जिला प्रशासन और पुलिस ने 2026 के असम विधानसभा चुनावों से पहले शांतिपूर्ण और घटना-मुक्त चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अंतर-राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में समन्वय तेज कर दिया है। हाल ही में हुई समन्वय बैठक में, सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों ने सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की, संवेदनशील स्थानों की पहचान की और संयुक्त निगरानी को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों राज्यों के पुलिस उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने निर्बाध खुफिया जानकारी साझा करने और वास्तविक समय -शेष पृष्ठ दो पर

देश के ऊर्जा क्षेत्र में योगदान दें वैश्विक निवेशक : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने उनसे भारत में *निर्माण, निवेश, नवाचार एवं विस्तार* करने का भी आग्रह किया। यशोभूमि में आयोजित *भारत बिजली शिखर सम्मेलन* 2026 में केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लिखित संदेश पढ़ा, जिसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं वैश्विक समुदाय को भारत में निर्माण करने, भारत में नवाचार करने, भारत में निवेश करने और भारत के साथ विस्तार करने के लिए आमंत्रित करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन सार्थक संवाद एवं स्थायी साझेदारियों को बढ़ावा देगा, जो भारत की वृद्धि को ऊर्जा प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पूरे बिजली व ऊर्जा तंत्र को एक मंच पर लाना है, ताकि विचारों का आदान-प्रदान हो, सहयोग को बढ़ावा मिले और विकास व -शेष पृष्ठ दो पर

संघ की अच्छाई को विरोधी और कम्युनिस्ट भी स्वीकार करते हैं : भागवत

नागपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में कहा कि अब विरोधी और कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं। सरसंघचालक डॉ. भागवत आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और डॉ. विलास डांगरे की मौजूदगी में स्थानीय सुरेश भट्ट सभागार में आयोजित एक साक्षात्कार कार्यक्रम में बोल रहे थे। सरसंघचालक ने कहा कि परस्पर प्रेम और आत्मीयता के कारण ही संघ और उसका कार्य बढ़ा है। जब तक दो व्यक्ति एक-दूसरे से मिलते रहेंगे, तब तक संघ समाप्त नहीं होगा। अब विरोधी और -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम बंगाल में अपनों पर भरोसा असम में बाहरी उम्मीदवारों पर दांव

कितनी कामयाब होगी भाजपा की ये रणनीति ?

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा इस बार कुछ बदली रणनीति के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। पश्चिम बंगाल में इस बार पार्टी ने उन उम्मीदवारों पर ज्यादा दांव लगाया है जो उसके साथ लंबे समय से जुड़े रहे हैं, जबकि असम में कांग्रेस छोड़कर पार्टी में आए उम्मीदवारों को टिकट थमा दिया गया है। पार्टी का मानना है कि दोनों ही राज्यों में उसकी यह रणनीति उसे जीत दिलाने में कामयाब रहेगी। पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अनेक ऐसे उम्मीदवारों को टिकट थमाया था जो हाल ही में पार्टी में शामिल हुए थे। इसमें सुवेंदु अधिकारी के साथ अन्य कई बड़े नेता शामिल थे। पार्टी को यह रणनीति इसलिए भी बनानी पड़ी थी क्योंकि ममता बनर्जी को टक्कर देने के लिए उसके पास बड़े नेता-कार्यकर्ता मौजूद नहीं थे। यूपी-उत्तराखंड जैसे सहित अनेक राज्यों में पार्टी की यह रणनीति कारगर भी रही थी। लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प. बंगाल में पार्टी की यह रणनीति उसके लिए कमजोर कड़ी भी साबित हुई। कहा जाता है कि पार्टी की इस रणनीति से वे कार्यकर्ता पार्टी से नाराज हो गए जो लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे थे। ऐसे नेताओं-कार्यकर्ताओं ने भाजपा का साथ छोड़ दिया जिससे उसे नुकसान हुआ। इस बार भाजपा ने पश्चिम बंगाल में ज्यादातर मामलों में उन्हीं नेताओं को टिकट थमाया है जो लंबे समय से उसके साथ बने हुए थे। जबकि पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए इस मामले में झटका देने वाला राज्य साबित हुआ जहां चुनाव के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम एशिया तनाव के कारण कच्चे तेल में उबाल, 119 डॉलर के करीब पहुंचा ब्रेंट क्रूड

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम एशिया में जारी जंग से दुनियाभर की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने लगा है। इस लड़ाई के दौरान इजरायल द्वारा ईरान के तेल और गैस ठिकानों पर हमला करने और इसके जवाब में ईरान द्वारा कतर, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के ऊर्जा ठिकानों पर हमला करने के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत आसमान पर पहुंच गई है। तेल और गैस ठिकानों पर हुए हमले की वजह से गुरुवार को बाजार खुलते ही दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई। ब्रेंट क्रूड ने आज 110.86 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की और थोड़ी ही देर में कुलांचे भरते हुए 118.73 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज 99.76 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

नाम परिवर्तन

मैं अनुभव जैन, पुत्र श्री कमल जैन, निवासी : सी 35, उषा अपार्टमेंट, निर्माण नगर, जयपुर, राजस्थान सूचित करता हूं कि मेरी पुत्री इयाना अजमेरा (Iyana Ajmera) का नाम परिवर्तित कर नया नाम रश्मी जैन (Rashmi Jain) रख लिया है। अब से मेरी पुत्री को भविष्य में रश्मी जैन (Rashmi Jain) के नाम से जाना जाएगा, जिसका गजटनोटिफिकेशन नं. 0811001500011830053З/2021 दिनांक 08.02.2021 व जारी दिनांक 23.03.2021 है।

साल 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए एकजुट हुए सांसद

नई दिल्ली (हि.स.)। विभिन्न दलों के 20 से अधिक सांसद *एमपी-ज फॉर चिल्ड्रेन* के बैनर तले 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य के लिए एकजुट हुए। एमपी-ज फॉर चिल्ड्रेन की पहल को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का समर्थन है, जो बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए 250 से अधिक नागरिक समाज संगठनों का देश का सबसे बड़ा नेटवर्क है। डायलॉग विद पार्लियामेंटेरियंस ऑन अचीविंग चाइल्ड फुल पोटेंशियल में तेलुगु देशम पार्टी के नेता और एमपी-ज फर चिल्ड्रेन के संयोजक लावू श्रीकृष्ण देवरायलु ने कहा कि बाल विवाह किसी एक पार्टी या धर्म का मुद्दा नहीं है। इसे खत्म करने पर सभी दलों में आम सहमति है। भारत ने दिखाया है कि जब भी हम सामूहिक संकल्प के साथ काम करते हैं, हमने नतीजे हासिल किए हैं। हमने पोलियो खत्म किया, बच्चों को स्कूल तक पहुंचाया। कोई वजह नहीं कि उसी संकल्प के साथ हम 2030 तक बाल विवाह का खात्मा नहीं कर पाएं। तेलुगु देशम पार्टी के संसदीय दल के नेता देवरायलु ने बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर उम्र के आधार पर रोक लगाने की जरूरत बताई। उन्होंने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 को मजबूत बनाने के लिए हाल ही में लोकसभा में एक निजी विधेयक पेश किया। बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को तेजी से हासिल करने के लिए इस विधेयक में सख्त सजा, विशेष बाल विवाह निषेध अधिकारी, विशेष अदालतें और एक डिजिटल रिपोर्टिंग पोर्टल का प्रावधान है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु ने एमपी-ज फॉर चिल्ड्रेन फोरम को उनके नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संसद तथा संबंधित सरकारी एजेंसियों के भीतर बाल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना आवश्यक है। बाल संरक्षण केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। बच्चों को ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही तरह के खतरों से सुरक्षित रखना राष्ट्र निर्माण की बुनियादी शर्त है। भुवन ऋभु ने आगे कहा कि हम सांसदों के आभारी हैं कि उन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि भारत सरकार को *बाल विवाह मुक्त भारत दिवस* घोषित करना चाहिए। एक राष्ट्रीय दिवस की घोषणा न केवल इस अपराध के खात्मे की तात्कालिकता को रेखांकित करेगी, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी बच्चा विवाह के लिए मजबूर न हो, पूरी सरकार और पूरे समाज; दोनों की साझा जवाबदेही को भी सुदृढ़ करेगी। एमपी-ज फॉर चिल्ड्रेन संवाद में अन्य सांसदों में भीम सिंह (भाजपा), डॉ. धर्मवीर गांधी (कांग्रेस), राजा राम सिंह कुशवाहा (सीपीआई एमएल), लुंबा राम चौधरी (भाजपा), पुष्पेंद्र सरोज (सपा), जोथिमानी (कांग्रेस), डग्गुमल्ला प्रसाद राव (टीडीपी), गजेंद्र पटेल (भाजपा), जॉन ब्रिटास (सीपीएम), अरुण नेहरू (डीएमके), छोटेलाल खरवार (सपा), इजरा चौधरी (सपा), जुगल किशोर शर्मा (भाजपा), महुआ माजी (जेएमएम), संगीता बलवंत (भाजपा), विजयलक्ष्मी देवी (जनता दल (यूनाइटेड), वी. शिवदासन (सीपीआई), पी. वी. अब्दुल वहाब (इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग), बीधा मस्थान राव यादव (टीडीपी) और कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी (भाजपा) शामिल थे। उल्लेखनीय है कि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने बाल विवाह के खिलाफ भारत सरकार के 100 दिन के गहन जागरूकता अभियान को मजबूती देने के लिए बाल विवाह मुक्ति रथ निकाले थे। पहियों पर चलने वाले इस अभियान को इस तरह से तैयार किया गया था कि यह गांवों और जनसमुदाय तक बाल विवाह के खिलाफ संदेश को सीधा उन तक पहुंचा सके। देश के 28 राज्यों और 439 जिलों में 500 से ज्यादा रथ निकाले गए।

यमुनानगर धान घोटाले में बड़ी कार्रवाई चार अधिकारी सेवा से निष्कासित

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर में सरकार द्वारा सख्त कदम उठाते हुए बहुचर्चित धान अनियमितता प्रकरण में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के तीन निरीक्षकों और एक सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई विभागीय जांच में गंभीर लापरवाही और कर्तव्य पालन में चूक के निष्कर्ष सामने आने के बाद की गई। विभाग के निदेशक अंशज कुमार द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि संबंधित अधिकारियों की निगरानी में धान खरीद और भंडारण व्यवस्था में भारी गड़बड़ियां पाई गईं, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए की क्षति हुई। मामला धान खरीद सत्र 2025-26 के दौरान विभिन्न मंडियों और राइस मिलों की देखरेख से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि तैनाती अवधि के दौरान आवंटित धान और वास्तविक स्टॉक के बीच बड़े अंतर पाए गए। कई मामलों में हजारों मीट्रिक टन धान का अभाव दर्ज किया गया, जिससे वित्तीय नुकसान का आंकड़ा तेजी से बढ़ा। विशेष रूप से प्रतापनगर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान भौतिक सत्यापन में गंभीर विसंगतियां उजागर हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रिकॉर्ड प्रबंधन में भी अनियमितताएं सामने आईं। मंडियों में फर्जी गेट पास के माध्यम से कागजों में खरीद दर्शाई गई, जबकि वास्तविक भंडार उपलब्ध नहीं था। अधिकारियों पर यह भी आरोप है कि उन्होंने समय रहते स्थिति को नियंत्रित करने के बजाय तथ्यों को छिपाने का प्रयास किया। जांच में यह तथ्य भी उभरा कि कुछ राइस मिलों में लगातार कमी के संकेत मिलने के बावजूद आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई। विभागीय निर्देशों और निर्धारित प्रक्रियाओं की अनदेखी को भी गंभीर उल्लंघन माना गया। मामले में संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब का अवसर दिया गया था।

कांग्रेस के लगभग 20 उम्मीदवारों ने राजीव भवन से फॉर्म *ए* और फॉर्म *बी* संग्रह किए

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के गुवाहाटी स्थित मुख्यालय राजीव भवन से गुरुवार को लगभग 20 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए फॉर्म *ए* और फॉर्म *बी* संग्रह किए। इन उम्मीदवारों में राज्यसभा के पूर्व सांसद तथा बरसला निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार रिपुन बोरा, दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र की उम्मीदवार मीरा बोरठाकुर, धेमाजी निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार शैलेन सोनोवाल, हाजो-सुवालकुची निर्वाचन क्षेत्र की उम्मीदवार नंदिता दास और जागीरोड निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार बुबुल दास शामिल हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस के प्रशासनिक महासचिव प्रद्युत भुइंया से यह निर्वाचन फॉर्म प्राप्त करने वाले अधिकांश उम्मीदवार 20 मार्च को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। प्रदेश कांग्रेस की तरफ से बताया गया है इसी प्रकार आगामी शुक्रवार को भी कुछ उम्मीदवार इस फॉर्म को प्राप्त करेंगे।

एनडीए नेतृत्व तय करेगा बिहार के सीएम का नाम : पटेल

पटना (हिंस)। बिहार भाजपा के प्रवक्ता और पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद के मुख्यमंत्री के नाम की तेज हुई चर्चा के बीच कहा कि एनडीए में मुख्यमंत्री के नाम को लेकर कहीं कोई विवाद नहीं है। यह एनडीए में चर्चा का विषय भी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मुख्यमंत्री का नाम एनडीए का नेतृत्व सामूहिक रूप से तय करेगा, जो सबको मान्य होगा। यह विषय एनडीए के लिए चर्चा का केंद्र नहीं हो सकता है। प्रेम रंजन पटेल ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एनडीए के बड़े नेता हैं और नए मुख्यमंत्री के नाम में उनकी भी सहमति ली जाएगी, यह भी सत्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री गोलाप बरबोरा की पुण्यतिथि पर सीएम शर्मा ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री गोलाप बरबोरा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें सिद्धांतवादी एवं जनसेवा के प्रति समर्पित नेता के रूप में याद किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि बरबोरा सरलता, ईमानदारी और नीतिगत दृढ़ता के प्रतीक थे। उनका राजनीतिक जीवन जनसेवा का एक उत्कृसी उदाहरण रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी बरबोरा अपने सिद्धांतों से कभी विचलित नहीं हुए और उनका योगदान आज भी असम के लोगों की स्मृतियों में जीवंत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके जन्म शताब्दी वर्ष को मनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा व्यापक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, ताकि उनके आदर्शों और विरासत को आगे बढ़ाया जा सके।

पृष्ठ एक का शेष

भाजपा की पहली ...

महासचिव (संगठन) बीएल संतोष समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे थे। बैठक में केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और असम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया भी उपस्थित थे। इनके अलावा पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव, राज्य में पार्टी मामलों के सह-प्रभारी अमित मालवीय और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य भी शामिल हुए।

दुनिया के सबसे बड़े ...

बनाता है। ऐसे में इस पर हमला सीधे-सीधे ईरान की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक गतिविधियों और आम नागरिकों के जीवन पर असर डाल सकता है। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में साउथ पार्स के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है, जिससे ईरान के कुल गैस उत्पादन का करीब 12 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हो सकता है। पहले से ही गैस और बिजली की कमी से जूझ रहे ईरान के लिए यह स्थिति गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसका सीधा असर उद्योगों, बिजली उत्पादन और आम लोगों की दैनिक जरूरतों पर पड़ेगा। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अगर उत्पादन में गिरावट लंबी चली, तो यह देश के भीतर आर्थिक दबाव और सामाजिक असंतोष को भी बढ़ा सकती है। यह हमला केवल ईरान तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी तेजी से दिखाई देने लगा है। हमले के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतों में पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है, जो संभावित आपूर्ति संकट की आशंका को दर्शाती है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि अगर पश्चिम एशिया में ऊर्जा ढांचों को निशाना बनाने का सिलसिला जारी रहा, तो वैश्विक गैस और तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता और महंगाई बढ़ने की आशंका है। इस हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया की चेतावनी देते हुए सऊदी अरब, यूएई और कतर के प्रमुख तेल-गैस ठिकानों को संभावित निशाना बताया है। वहीं कतर ने इस हमले को खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना करार दिया है, जबकि यूएई ने इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बताया है। विश्लेषकों का कहना है कि अब यह संघर्ष बहु-देशीय टकराव का रूप ले सकता है, जिसमें पूरे खाड़ी क्षेत्र की ऊर्जा संरचनाएं जोखिम में आ सकती हैं। इतने विशाल और जटिल ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचने के बाद उसकी मरम्मत त्वरित रूप से संभव नहीं होती। इतिहास बताता है कि 2003 के इराक युद्ध के बाद ऊर्जा ढांचे को पूरी तरह बहाल करने में वर्षों लग गए थे। इसी तरह यूक्रेन में भी ऊर्जा प्रणालियों की मरम्मत लंबे समय तक बाधित रही है। ऐसे में साउथ पार्स की उत्पादन क्षमता को पूर्ण रूप से बहाल करने में लंबा समय लग सकता है, जिससे ऊर्जा संकट और गहरा सकता है। पश्चिम एशिया में ऊर्जा केवल आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक शक्ति का भी आधार है। साउथ पार्स गैस फील्ड ईरान और कतर के बीच सहयोग और संतुलन का एक महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। इस पर हमला न केवल ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करेगा, बल्कि क्षेत्रीय कूटनीतिक समीकरणों को भी बदल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊर्जा संसाधनों को निशाना बनाना इस बात का संकेत है कि अब यह संघर्ष एक व्यापक रणनीतिक जंग का रूप ले चुका है।

भारत ने ऊर्जा ...

क्षेत्र में ऊर्जा प्रतिष्ठानों सहित नागरिक इलाकों को निशाना बनाने से बचने का आह्वान किया था। इस क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हाल ही में हुए हमले बेहद चिंताजनक हैं और ये पूरी दुनिया के लिए पहले से ही अनिश्चित ऊर्जा परिदृश्य को और अधिक अस्थिर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें बंद किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर इजराइल ने हमला किया है। इसके जवाब में ईरान ने कतर में दुनिया के सबसे बड़े द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भंडार के केंद्र को निशाना बनाया है।

जुबीन गर्ग हत्याकांड : सुनवाई ...

आशुतोष कुमार का शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने इस मामले के लिए एक खास फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने के राज्य सरकार के अनुरोध को मान लिया। गौरतलब है कि असम पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी), जिसे क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने बनाया था, ने दिसंबर, 2025 में गुवाहाटी की एक कोर्ट में गायक की मौत के मामले में एक विस्तरित चार्जशीट दाखिल की थी। यह जांच 19 सितंबर, 2025 को सिंगापुर में जुबीन गर्ग की रहस्यमयी मौत के बाद शुरू हुई थी। खबरों के मुताबिक, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में शामिल होने के लिए सिंगापुर की यात्रा के दौरान समुद्र में घूमने निकले गर्ग की मौत हो गई थी। गुवाहाटी में चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में दाखिल की गई इस चार्जशीट में सात लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें से चार लोगों पर, जिनमें फेस्टिवल के आयोजक श्यामकानु महंता, जुबीन के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, बैंड के एक सदस्य शेखरज्योति गोस्वामी और एक सह-गायक अमृतप्रभा महंता शामिल हैं जिनपर हत्या के आरोप लगाए गए हैं। जुबीन गर्ग के चचेरे भाई और असम पुलिस के निलंबित अधिकारी संदीपान गर्ग पर *गैर-इरादतन हत्या* का आरोप लगाया गया है। साथ ही गर्ग के निजी सुरक्षा अधिकारी का नाम चार्जशीट में शामिल है। इस नए घटनाक्रम से जुबीन के परिवार वालों और उनके समर्थकों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो इस मामले में फास्ट-ट्रैक कोर्ट की सुनवाई की मांग कर रहे थे।

आज नामांकन पर्चा ...

नए और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को तरजीह दी गई है। मुख्यमंत्री का दावा है कि इस बार भाजपा पिछली बार से भी शानदार परिणाम लेकर आएगी। असम की राजनीति में गठबंधन का समीकरण हमेशा निर्णायक रहा है। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा ने अपने पुराने साथी असम गण परिषद के लिए 26 सीटें छोड़ी हैं। आज अगप नेतृत्व के साथ मुख्यमंत्री की अहम बैठक हुई, जिसके बाद उम्मीद जताई जा रही है कि अगप और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट भी अपने उम्मीदवारों की सूची जल्द ही सार्वजनिक कर देंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आगे कहा कि गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने मुझे पत्र भेजा है और उन्होंने बक्सा की जिला न्यायाधीश के रूप में कार्यरत शर्मिला भुयान को जुबीन गर्ग मृत्यु मामले में दैनिक सुनवाई के लिए एक विशेष त्वरित सत्र न्यायालय की अध्यक्षता करने हेतु मनोनीत किया है। मैं गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। कल यानी शुक्रवार का दिन असम की राजनीति के लिए बेहद खास होने वाला है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा खुद कल अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। उनके साथ राज्य के कई दिग्गज नेता और दर्जनों उम्मीदवार भी कल ही अपना पर्चा भरेंगे। शक्ति प्रदर्शन की इस तैयारी से साफ है कि भाजपा पहले दिन से ही विपक्ष पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने की फिराक में है।

दिसपुर टिकट विवाद ...

में भाजपा का निर्माण केवल वर्तमान नेतृत्व ने नहीं किया है। उन्होंने सरकार पर *राजनीतिक सिंडिकेट* चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी मूल विचारधारा से भटक गई है और पुराने कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर अन्य दलों से आए नेताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या पार्टी में नेताओं की कमी हो गई है, जिसके कारण बाहरी नेताओं को टिकट देना पड़ रहा है। दास ने कहा कि वे सदिया से धुबड़ी तक उपेक्षित लोगों को साथ लेकर एक नई क्षेत्रीय पार्टी का गठन करेंगे, जो असम और असमिया लोगों के हितों के लिए काम करेगी। उन्होंने संकेत दिया कि यदि जरूरत पड़ी तो वे जनता के दबाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने घोषणा की कि वे 23 मार्च को अपना नामांकन दाखिल करेंगे और मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे दिसपुर सीट से अपनी ताकत साबित करें। दास ने दावा किया कि दिसपुर की जनता बरदलै को उम्मीदवार के रूप में स्वीकार नहीं करती। दास ने स्पष्ट किया कि वे अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखेंगे और *पुराने भाजपा कार्यकर्ताओं* के हितों की रक्षा के लिए नया मंच तैयार करेंगे।

पिता के भाजपा में ...

मार्गेरिटा के लोगों और अनगिनत समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी के उम्मीदवार के प्रति पूर्ण स्पष्टता और विश्वास प्राप्त होना चाहिए। यदि मेरी प्रतिबद्धता या पार्टी के रुख के संबंध में कोई भ्रम या गलत धारणा उत्पन्न होती है, तो यह उनके साथ अन्याय होगा। यह कहते हुए कि यह निर्णय पूरी तरह से पार्टी के प्रति सम्मान पर आधारित है। प्रतीक ने नेतृत्व द्वारा उचित समझे जाने वाली किसी भी क्षमता में निर्वाचन क्षेत्र के लिए काम करना जारी रखने का अनुरोध किया। उन्होंने लिखा कि मेरा निर्णय पूरी तरह से संगठन के प्रति मेरे सम्मान और कांग्रेस पार्टी के मूल्यों और अनुशासन को बनाए रखने की मेरी इच्छा से प्रेरित है। हालांकि, मैं यह दोहराना चाहता हूं कि कांग्रेस के आदर्शों में मेरा विश्वास अटूट है। मैं पार्टी के लिए और मार्गेरिटा के विकास के लिए नेतृत्व द्वारा उचित समझे जाने वाली किसी भी भूमिका में काम करना जारी रखूंगा। प्रतीक ने पत्र में लिखा कि मुझे बहुत कम उम्र से ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। पार्टी के आदर्शों ने हमेशा मेरी राजनीतिक सोच और जनजीवन के प्रति मेरी प्रतिबद्धता को आकार दिया है। कांग्रेस ने मुझे जनता की सेवा करने और समावेशी विकास और धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र की परिकल्पना में विश्वास रखने का मंच प्रदान किया है। वर्षों से मुझ पर दिखाए गए विश्वास और प्रोत्साहन के लिए मैं पार्टी नेतृत्व का आभारी हूं। यह घटनाक्रम कांग्रेस नेता प्रद्युत बरदलै के पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने के बाद लोकसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद सामने आया है। उन्होंने कहा कि उनका यह निर्णय लगातार आंतरिक अपमान और पार्टी नेतृत्व से समर्थन की कमी के कारण लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस्तीफा असम विधानसभा चुनावों के लिए एक टिकट आवंटन के बजाय कई मुद्दों से संबंधित था। असम केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की एक बैठक का जिक्र करते हुए। प्रद्युत बरदलै ने कहा कि इमरान मसूद एक उम्मीदवार के खिलाफ उनके आरोपों को मनगढ़ंत बताकर खारिज करने के बाद उन्हें दुख हुआ, जिस पर उन्होंने आपराधिक गठजोड़ चलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने मीडिया से कहा कि मेरे लिए टिकट मिलना जीवन-मरण का सवाल नहीं था। कई मुद्दे थे। मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं गर्व से अपना सिर ऊंचा रखूं। कांग्रेस पार्टी ने मुझे बहुत कुछ दिया है।बरदलै का इस्तीफा असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह के भाजपा में शामिल होने के एक महीने बाद आया है, जिन्होंने कांग्रेस में तीन दशकों तक सेवा की थी। ये घटनाक्रम असम में विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच सामने आए हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को घोषणा की कि सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान 9 अप्रैल को एक ही चरण में होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

चुनाव से पहले असम-मेघालय...

संचार की आवश्यकता पर बल दिया। एक अधिकारी ने कहा कि चुनाव अवधि के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों राज्यों के बीच घनिष्ठ समन्वय महत्वपूर्ण होगा, उन्होंने आगे कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में संयुक्त नाका चौकियों और गश्त को तेज किया जाएगा। अधिकारियों ने सीमा पार आवाजाही, नकदी या प्रतिबंधित वस्तुओं के परिवहन और मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों पर भी चिंता जताई। अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई तंत्र और समन्वित प्रवर्तन पर सहमति व्यक्त की। असम-मेघालय सीमा विवाद 12 चिन्हित *मतभेद के क्षेत्रों* तक फैला हुआ है, जिसकी जड़ें असम पुनर्गठन (मेघालय) अधिनियम, 1969 की अलग-अलग व्याख्याओं में निहित हैं। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, दोनों राज्यों ने मार्च 2022 में लगभग 36 वर्ग किलोमीटर में फैले छह क्षेत्रों – ताराबाड़ी, गिजांग, हाहिम, बोकलापाड़ा, खानापाड़ा-पिलंगकाटा और रताचेरा – को प्रशासनिक नियंत्रण और स्थानीय जनसंख्या गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए पारस्परिक रूप से सहमत लेन-देन के फार्मूले के आधार पर सुलझा लिया। हालांकि, लांगपिह सहित छह क्षेत्र अभी भी अनसुलझे हैं, जिनमें बोरदुआर, नोंगवाह-मवतमुर, देशदेमोरिया ब्लॉक 1 और टू, खंडुली-प्सियार और ब्लॉक टू शामिल हैं। इन क्षेत्रों में विभिन्न दावे जारी हैं और आगे बातचीत की आवश्यकता है। अधिकारियों ने कहा कि इन क्षेत्रों में बेहतर समन्वय न केवल चुनाव सुरक्षा के लिए बल्कि ऐतिहासिक रूप से विवादित क्षेत्रों में शांति बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है।

देश के ऊर्जा क्षेत्र...

जीवन स्तर सुधार के लिए साझा मार्ग तैयार किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विकास को ऊर्जा प्रदान करने एवं स्थिरता लाने, वैश्विक स्तर पर जुड़ने और 2047 तक विकसित भारत बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के हमारे साझा संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और हम अवसंरचना को मजबूत कर रहे हैं तथा सभी के लिए विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा में भारत की प्रगति इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मोदी ने कहा कि 50 फीसदी से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता पहले ही हासिल की जा चुकी है और 2030 तक 500 गीगावाट का स्पष्ट लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि *वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड* जैसी पहल वैश्विक सहयोग के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण, बैटरी विनिर्माण को आगे बढ़ाने, हरित रोजगार सृजन और साहसिक सुधारों के माध्यम से निवेश को सक्षम बनाने में एक विश्वसनीय ऊर्जा भागीदार के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि *शांति अधिनियम 2025* परमाणु ऊर्जा में नए अवसर खोलता है, जबकि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना विकेंद्रीकृत उत्पादन एवं टिकाऊ खपत को बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वितरण सुधार एवं दक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिससे वित्तीय स्थिति सुधारने में मदद मिली है। इससे अधिक कुशल व टिकाऊ क्षेत्र का संकेत मिलता है, जिसमें मूल्य श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर व्यापक अवसर हैं और भारत बड़े पैमाने पर निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन भारत के विकास को गति प्रदान करने हेतु सार्थक संवाद और दीर्घकालिक साझेदारियों को उत्प्रेरित करेगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आज चार दिवसीय भारत बिजली शिखर सम्मेलन 2026 की शुरुआत हुई है, जो 22 मार्च तक चलेगी।

संघ की अच्छाई को ...

कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अनुकूलता एक बड़ी चुनौती होती है और पतन की शुरुआत भी अनुकूलता से ही होती है। अभी तक संघ का स्वयंसेवक प्रसिद्धि के अनुरूप नहीं बना है और ऐसा न हो, इसके प्रयास भी किए जा रहे हैं। अनुकूल परिस्थितियों में कार्य कैसे किया जाए, यह विषय बौद्धिक वर्ग में चर्चा का विषय होता है। स्वयंसेवकों को अनुकूलता का दुष्प्रभाव न हो, इस पर विचार और प्रयास निरंतर जारी हैं। संघ प्रमुख ने बताया कि पिछले 100 वर्षों में संघ का कार्य व्यापक हुआ है, इसलिए संरचना का विकेंद्रीकरण आवश्यक हो गया। कार्य के दौरान कई बार शासन-प्रशासन से संपर्क होता है, इसलिए अलग व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हुई। इसी विचार से प्रांत के स्थान पर अब *विभाग* की संरचना बनाई गई है। लोगों से मित्रता स्थापित करना और अपने उदाहरण से परिवर्तन लाना ही संघ की कार्यपद्धति है। समय के अनुसार स्वरूप बदलता है, परंतु कार्यपद्धति वही रहती है। सरसंघचालक ने कहा कि संघ के प्रारंभिक काल में परिस्थितियां और चुनौतियां भिन्न थीं। विभाजन के समय हिंदुओं के विरुद्ध दंगे होते थे, इसलिए उस समय संघ का कार्य उनके संरक्षण पर केंद्रित था। अब समय और चुनौतियां बदल गई हैं, इसलिए कार्य भी परिवर्तित हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई विरोधी और कम्युनिस्ट स्वयं को संघ का विरोधी बताते हैं, लेकिन साथ ही संघ को अच्छा भी कहते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार उनके वक्तव्यों का गलत अर्थ निकाला जाता है, लेकिन इससे उन्हें कोई विशेष फर्क नहीं पड़ता। बल्कि उन्हें दया और हंसी आती है। अब संघ के विरोध में कहने के लिए लोगों के पास अधिक कुछ नहीं है, इसलिए वे कुछ भी कह देते हैं। ऐसी घटनाओं से सीख भी मिलती है कि लोग किसी कथन का क्या अर्थ निकाल सकते हैं। संघ के कार्य के प्रति जेन-जी अनुकूल कहे जाने वाली पीढ़ी में देश को महान बनाने और परंपराओं को आगे बढ़ाने की भावना दिखाई देती है। उन्हें ईमानदारी और सेवा आकर्षित करती है, जिससे उनका जुड़ाव संघ के विचारों से हो रहा है। वे संघ के कार्य के प्रति अनुकूल हैं। यद्यपि परिस्थितियों के कारण वे प्रत्यक्ष शाखाओं में आने में कुछ कठिनाइयों का सामना करते हैं, फिर भी वे संघ से जुड़ना चाहते हैं। इसके लिए संघ द्वारा उपयुक्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं। हाईराइज इमारतों और सोसायटियों में युवाओं से संपर्क बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में ...

उसके कई विधायकों ने पार्टी का साथ छोड़ तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया। टीएमसी के मुकुल राय जैसे नेता एक बार फिर वापस ममता बनर्जी के ही खेमे में पहुंच गए थे। इसे देखते हुए पार्टी ने इस बार बंगाल में अपनी रणनीति पर पुनर्विचार किया है और अपने मूल काडरों पर ही भरोसा जताया है। असम से कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै ने 17 मार्च को अपनी पार्टी से इस्तीफा दिया और वे 18 मार्च को भाजपा में शामिल हुए। 19 मार्च को भाजपा की असम के लिए घोषित दूसरी सूची में प्रद्युत बरदलै को दिसपुर से भाजपा का उम्मीदवार बना दिया गया। भाजपा का मानना है कि तरुण गोगोई सरकार में वरिष्ठ मंत्री रहे बरदलै उसके लिए ट्रंप कार्ड साबित होंगे और उनके प्रभाव से पार्टी को उनके लोकसभा क्षेत्र नगांव के साथ-साथ आसपास की अन्य विधानसभा सीटों पर भी जीतने की अच्छी संभावना बनेगी। इसी तरह असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा भी करीब एक महीने पहले भाजपा में शामिल हुए और गुरुवार को घोषित सूची में उन्हें बिहपुरिया से उम्मीदवार बनाया गया है। बोरा को भी असम के कद्दावर नेताओं में गिना जाता है। उनके भाजपा के खेमे में आने से पार्टी को ऊपरी असम के उन हिस्सों में बढ़त मिलेगी जहां उसकी पकड़ अपेक्षाकृत कमजोर मानी जा रही थी। भाजपा के एक नेता ने अमर उजाला से कहा कि पार्टी केवल जीतने के उद्देश्य से रणनीति बनाती है और लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी विकल्पों पर गंभीरता से विचार करती है। उन्होंने कहा कि दूसरे दलों में भी अनेक ऐसे नेता हैं जो राष्ट्रीय विचारधारा से प्रेरित हैं और उनके साथ जुड़ना चाहते हैं। ऐसे में इन नेताओं को अपने साथ लेने में कोई अड़चन नहीं है। लेकिन पार्टी यह ध्यान रखती है कि अपने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा न हो।

पश्चिम एशिया तनाव ...

मची अफरा तफरी के कारण थोड़ी देर में ही डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 100.02 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दिन के कारोबार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख बनता हुआ नजर आया। भारतीय समय के अनुसार शाम 7 बजे ब्रेंट क्रूड 4.75 प्रतिशत की तेजी के साथ 112.52 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड 97.47 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया था। इजरायल द्वारा ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला करने के बाद ईरान ने जवाबी हमले में कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट पर मिसाइल अटैक किया था। इसके साथ ही संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत के ऊर्जा ठिकानों को भी निशाना बनाया था। आज ईरान ने एक बार फिर सऊदी अरब की यानबू रिफाइनरी पर ड्रोन से हमला किया। ऊर्जा ठिकानों पर ये हमले ऐसे समय पर हो रहे हैं, जब अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच जारी जंग की वजह से पहले ही पूरी दुनिया में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की किल्लत हो गई है। जंग की शुरुआत होने के बाद ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति को पहले ही ठप कर चुका है। होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते होने वाली तेल की सप्लाई ठप हो जाने के कारण दुनिया के कई देशों में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कमी हो गई है। ऐसे हालात में तेल और गैस के ठिकानों पर हो रहे परस्पर हमले ने दुनिया भर में ऊर्जा संकट को और बढ़ा दिया है। इजरायल के हमले के जवाब में ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिका के ठिकाने वाले सभी देशों को लगातार अपना निशाना बना रहा है।

ईद-उल-फितर का...

कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में दिल्ली एनसीआर एवं अन्य राज्यों में कहीं पर भी ईद उल फित्र के चांद के निकलने की सूचना नहीं मिली है, इसलिए कमेटी ने शनिवार 21 मार्च को ईद मनाने का एलान किया है। इमारत-ए-शरीया हिन्द की एक बैठक हजरत मौलाना जकावत हुसैन कासमी साहब नायब अमीर-ए-शरीअत, दिल्ली प्रदेश की अध्यक्षता में इमारत-ए-शरीया हिन्द के केंद्रीय कार्यालय नई दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित मस्जिद अब्दुल नबी में आयोजित की गई, जहां ईद के चांद को लेकर के पूरे देशभर से जानकारी एकत्र की गई, लेकिन कहीं से भी चांद के निकलने की पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए इमारत-ए-शरीया हिन्द ने मुसलमानों से कल रमजान का तीसवां रोजा रखने और 21 मार्च को ईद मनाने का एलान किया है।

राज्य में शत प्रतिशत मतदान का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लोगों से किया आह्वान

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी असम विधानसभा चुनावों में रासीहित के स्वार्थ में शत प्रतिशत मतदान करने का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के उत्तर असम प्रांत ने आह्वान किया है। चुनाव में राज्य के सभी मतदाता शत प्रतिशत मतदान करके रासी निर्माण में सभी को सहभागी बनाने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम क्षेत्र के क्षेत्र प्रचार प्रमुख डॉ. सुनील मोहंती ने आज एक संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से यह आह्वान किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम क्षेत्र के कार्यालय सुदर्शनालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में असम क्षेत्र के प्रचार प्रमुख डॉ. सुनील मोहंती ने कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 100वीं वर्षगांठ, सिख धर्म के नौवे गुरु गुरु तेगबहादुर की 350वीं बलिदान वर्षगांठ और संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के संदर्भ में मोहंती ने विस्तार से विचार प्रकट किया। उत्तर असम प्रांत के प्रचार प्रमुख किशोर शिवम के सौजन्य से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रांत कार्यवाह खगेन सैकिया द्वारा 13, 14 और 15 मार्च को हरियाणा के पानीपत

के पाटिकाल्याना (समालखा) में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में चर्चा किये गए कुछ विषयों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि हरियाणा के समालखा में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और दत्तात्रेय होसबाले उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि आरएसएस के शताब्दी वर्ष में आयोजित प्रतिनिधि सभा में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के 46 क्षेत्रों के 1438 कार्यकर्ता (प्रतिनिधि) उपस्थित थे। वहीं, संघ के शताब्दी वर्ष के विजयादशमी सर्वभारतीय कार्यक्रम में 62,555 कार्यक्रमों में 32,45,141 लोग भागों लिया। इसके अलावा, शताब्दी गृह संपर्क अभियान में पूरे देश में 3,89,465 परिवारों के 10,02,12,162 लोगों से संपर्क करने की कड़ी में उत्तर असम प्रांत के 13,061 गांवों के 11,15,165 परिवारों से संपर्क किया गया। सैकिया ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में 2,028 मंडलों के 16,940 कर्मियों ने भाग लिया और संघयात्रा नामक 3,06,806 पुस्तकें 14,46,401 लोगों के पास बेची गईं। एक सौहार्दपूर्ण, अखिल भारतीय हिंदू सम्मेलन 37 प्रांतों में 37,048 बार आयोजित किया गया। उक्त सम्मेलन में 3,49,35,211 लोगों में से 1,93,40,087 पुरुषों के मुकाबले 1,55,95,128 महिलाएं शामिल हुईं। हिंदू सम्मेलन उत्तर असम प्रांत के 1,128 सम्मेलनों में 6,40,310 लोग शामिल हुए। इनमें 2,30,150 पुरुषों के मुकाबले 4,10,160 महिलाएं थीं। इसमें भाग लेने वाले गांवों की संख्या 7,570 है। प्रांत कार्यवाह सैकिया ने बताया वर्तमान में पूरे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 59,004 मंडलों में से 55,683 स्थानों पर 88,939 शाखाएं चल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आगामी वर्ष से भौगोलिक क्षेत्र के संबंध में प्रांत प्रचार प्रमुख किशोर शिवम ने कहा कि पिछले 11 क्षेत्रों के बजाय अब 9 क्षेत्रों को, 44 प्रांतों के बजाय 85 संघों में बांटा गया है और भौगोलिक रूप से व्यवस्थित किया गया है। इस कड़ी में राज्यस्तरीय एक प्रांत समिति होगी। संघ के कार्य विस्तार के क्रम में इन्हें इस तरह विभाजित किया गया है।

असम विस चुनाव : क्षेत्रीयता का गढ़ तेजपुर सीट पर अगप का प्रभुत्व

शोणितपुर (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव के लिए मतदान आगामी 9 अप्रैल को होने जा रहा है। ऐसे में राज्य में राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। मध्य असम के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्रों में से एक शोणितपुर जिलांतर्गत तेजपुर विधानसभा क्षेत्र में भी चुनावी सक्रियता शुरू हो गई है। हाल ही में निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के बाद राज्य के राजनीतिक माहौल में नए समीकरण शुरू हो गए हैं। तेजपुर विधानसभा क्षेत्र के कुछ हिस्से पिछले लोकसभा चुनाव से संबंधित पड़ोसी विधानसभा क्षेत्रों के साथ जुड़ गए हैं। पूर्व के तेजपुर शहर से लेकर जीयाभराली नदी के समीप के कुछ क्षेत्र अब जिले के नौदुआर विधानसभा क्षेत्र में सम्मिलित किए गए हैं। यह क्षेत्र पड़ोसी क्षेत्र रंगापारा और पश्चिम में बरचला विधानसभा क्षेत्र के साथ अवस्थित है। पुनर्निर्धारण के लिए नए नामकरण के तहत नौदुआर विधानसभा क्षेत्र में तेजपुर क्षेत्र के कुछ हिस्से शामिल हैं। तेजपुर विधानसभा क्षेत्र वर्तमान में असम गण परिषद (अगप) पार्टी के पृथ्वीराज राभा द्वारा प्रतिनिधित्व किया जा रहा है और इस बार भी उनकी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में प्रतिस्पर्धा करने की संभावना प्रबल है। इस बीच तेजपुर क्षेत्र में राइजर दल की ओर से प्रतिस्पर्धा करेंगे अलक नाथ। वास्तव में वह बरसला से प्रतिस्पर्धा करना चाहते थे। इसके बजाय तेजपुर में राइजर दल का उम्मीदवार बनाए जाने को अलक नाथ अप्रत्याशित बता रहे हैं। तेजपुर विधानसभा क्षेत्र के शहर में कुल 19 वार्ड शामिल हैं। विशेष पुनर्निरीक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत 67 नंबर तेजपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाता 1,80,885 लोग हैं। कुल मतदान केंद्रों की संख्या 225 हैं। रूपकोंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल, कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा, नटसूर्य फनी शर्मा, सुधाकण्ठ डॉ. भूपेन हजारिक की कर्म साधना का स्थान तेजपुर विधानसभा क्षेत्र असम के अंदर एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। कमला प्रसाद अग्रवाला, विष्णु प्रसाद राभा, विजय चंद्र भागवती आदि द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया तेजपुर क्षेत्र वर्तमान में कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा के ज्येसी पुत्र अगप के पृथ्वीराज राभा हैं। ऐतिहासिक असम आंदोलन के बाद तेजपुर क्षेत्र में 1985 में अगप के पहले विधायक के रूप में वृंदावन गोस्वामी चुने गए थे। इस क्षेत्र में 1991 में कांग्रेस पार्टी के विजित सैकिया विजयी हुए। 1996 में पुन: अगप से वृंदावन गोस्वामी विधायक के रूप में चुने गए। इसके बाद 2001 में तीसरी बार, 2006 में चौथी बार और 2016 में पांचवीं बार वृंदावन गोस्वामी ही विधायक रहे। बीच में 2011 के विधानसभा चुनाव में वृंदावन गोस्वामी को पराजित कर राजेन बोरठाकुर ने क्षेत्र पर कब्जा किया। वहीं, 2021 में कलागुरु के वरिसी पुत्र पृथ्वीराज राभा ने तेजपुर विधानसभा क्षेत्र में विजयी होकर वर्तमान विधायक के रूप में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, इस विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक समय विधायक के रूप में कार्य करने वाले विधायक हैं, पूर्व शिक्षा मंत्री और असम गण परिषद पार्टी के पूर्व अध्यक्ष वृंदावन गोस्वामी।

असम विस चुनाव : माजुली विस क्षेत्र में भाजपा की स्थिति मजबूत

माजुली (हिंस)। आगामी असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में एक चरण में मतदान आगामी 9 अप्रैल को होगा तथा मतों की गिनती 4 मई को होगी। इसी कड़ी में 98 नंबर माजुली विधानसभा क्षेत्र में भी चुनावी तैयारियां शुरू हो गई हैं। माजुली विश्व के सबसे बड़े नदी दीप जिला है। यह भू-भूकान देश के विशाल नदी ब्रह्मपुत्र के बीचों-बीच स्थित है। माजुली विधानसभा क्षेत्र इस बार अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित है। वर्तमान में माजुली क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक भुवन गाम कर रहे हैं। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल द्वारा प्रतिनिधित्व की गई माजुली को लेकर इस बार भाजपा गठबंधन में शामिल असम गण परिषद (अगप)-भाजपा के बीच काफी खींचतान देखी गई। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के माजुली में भाजपा के उम्मीदवार उतारे जाने की घोषणा के बाद भी अगप ने इस क्षेत्र को लेकर अपनी उम्मीद नहीं छोड़ी थी। आगामी विधानसभा चुनाव में प्रतिस्पर्धा करने के लक्ष्य से अगप के कार्यकर्ताओं ने व्यापक सक्रियता दिखाई। वहीं, भाजपा भी माजुली क्षेत्र को नहीं छोड़ना चाहती थी। ऐसी स्थिति में नदी द्वीप माजुली विधानसभा क्षेत्र गठबंधन पार्टी भाजपा-अगप के बीच आकर्षक बन गई थी। अंतत: आज भाजपा ने भुवन गाम को अपने उम्मीदवार के रूप में माजुली से उतार दिया है। उल्लेखनीय है कि, राज्य की 126 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से माजुली विधानसभा क्षेत्र भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। क्योंकि, इसी क्षेत्र से विजयी होकर सर्बानंद सोनोवाल मुख्यमंत्री पद पर आसीन हो चुके हैं। वर्तमान में शासक गठबंधन भाजपा और अगप के बीच माजुली क्षेत्र से मुकाबला करने को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद भी देखा गया। क्षेत्रीय दल अगप ने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को चुनाव में मुकाबला करने के उद्देश्य से चुनावी काम-काज चलाने को कहा था। इसके समानांतर अगप का केंद्रीय नेतृत्व भी इस बार माजुली क्षेत्र से अपना उम्मीदवार खड़ा करने के लिए प्रयासरत दिखा। इस क्षेत्र से अगप की ओर से मिसिंग समुदाय के नेता ब्रजेन गाम को प्रत्याशी के रूप में आगे बढ़ाया गया था। ब्रजेन गाम माजुली के वर्तमान विधायक भुवन गाम के भाई हैं। हालांकि, अंत समय में सत्तारूढ़ दल भुवन गाम को अपना प्रत्याशी बना दिया है। वहीं कांग्रेस पार्टी की ओर से माजुली विधानसभा क्षेत्र में इंद्रनील पेगु को प्रत्याशी बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि, मतदाताओं के अनुसार माजुलीवासियों को ऐसे एक प्रतिनिधि की आवश्यकता है जो माजुली के समग्र विकास को आगे बढ़ा सके। साथ ही माजुली के लोगों के बीच रहकर माजुली की समस्याओं को सुलझा सकने वाला विधायक लोगों को चाहिए।

ईवीएम-वीवीपैट का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के सामान्य चुनाव 2026 के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) का प्रथम रेंडमाइजेशन राज्य के सभी 35 जिलों के अंतर्गत 126 विधानसभा क्षेत्रों में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। यह प्रक्रिया संबंधित जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) के कार्यालयों में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित की गई। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि इससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई और चुनाव आयोग के निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया गया। ईवीएम और वीवीपैट का प्रथम रेंडमाइजेशन चुनाव प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण और अनिवार्य चरण है। इस प्रक्रिया के तहत ईवीएम प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) के माध्यम से मशीनों को विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में बिना पूर्व निर्धारण के यादृच्छिक रूप से आवंटित किया जाता है।

नवगठित पाका-बेतबारी क्षेत्र में कांग्रेस को एआईयूडीएफ की कड़ी चुनौती

बरपेटा (हिंस)। असम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान आगामी 9 अप्रैल को होगा। इसके मद्देनजर क्षेत्रवार पूरे राज्य में राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। कुछ पार्टियों के उम्मीदवारों के नाम घोषित हो गये हैं, वहीं कुछ के होने वाले हैं। ऐसे में परिसीमन के बाद नवगठित 25 नंबर पाका-बेतबाड़ी क्षेत्र में भी चुनावी तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। क्षेत्र पुनर्निर्धारण के बाद छोटे क्षेत्र को भंग कर 25 नंबर पाका-बेतबाड़ी क्षेत्र बनाया गया है। क्षेत्र पुनर्निर्धारण के बाद पाका-बेतबाड़ी बनने पर क्षेत्र की भौगोलिक सीमा के साथ-साथ जनसंख्या ढांचे में भी बदलाव हुआ है। असम में क्षेत्र पुनर्निर्धारण के बाद ही राज्य के राजनीतिक माहौल में नए समीकरण की शुरुआत हुई है। अल्पसंख्यक मतदाताओं द्वारा निर्णायक भूमिका निभाए जाने वाले इस क्षेत्र में इस बार चुनाव खास होने वाला है। 2016 और 2021 में लगातार दो बार क्षेत्र से विधायक चुने गए कांग्रेस के जाकिर हुसैन सिकदार इस बार युवा नेता और अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के उम्मीदवार से कड़ी चुनौती का सामना होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर एआईयूडीएफ की प्रत्याशी मीनाक्षी रहमान जोरदार प्रचार शुरू कर चुकी हैं। कांग्रेस के जाकिर हुसैन सिकदार के नियंत्रण वाले 25 नंबर का पाका-बेतबारी विधानसभा क्षेत्र में इस बार कांग्रेस को परेशानी होती नजर आ रही है। पहली बार चुनाव लड़कर पर्याप्त वोट हासिल करने वाली मीनाक्षी रहमान ने इस बार विधानसभा में पूरी तरह से एआईयूडीएफ की संगठनात्मक नींव मजबूत कर दी है। वह विधानसभा में लोकप्रिय नेता के रूप में पहचानी जाने लगी हैं। इस बीच कांग्रेस विधायक जाकिर हुसैन सिकदार के खिलाफ जनता का गुस्सा बढ़ा है। अक्सर विधायक पर शासक पार्टी के साथ मित्रता करके केवल कमीशन की राशि और ठेका आदि संबंधित ठेकेदार तथा अन्य नामों के तहत भ्रसीाचार करने के आरोप उठते रहे हैं। कांग्रेस के विधायक की कमजोरी का फायदा उठाते हुए एआईयूडीएफ की मीनाक्षी रहमान जोरदार प्रचार कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि, पाका-बेतबारी विधानसभा क्षेत्र के अनुमानित मतदाताओं की संख्या 2,67,873 है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 1,38,374 है, महिला मतदाताओं की संख्या 1,29,446 और तीसरे लिंग के 3 मतदाता हैं। असम आंदोलन के बाद 1985 में स्वतंत्र उम्मीदवार दीनबंदु चौधरी विधायक के रूप में निर्वाचित हुए। 1991 और 1996 में निजामुद्दीन खान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से लगातार दो बार विधायक निर्वाचित हुए। इसके विपरीत, 2001 और 2006 में डॉ. ताराप्रसाद दास ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में दो बार विधायक चुने गए।

गौरव गोगोई पर भूपेन बोरा का हमला, अखिल गोगोई पर भी कसा तंज

गुवाहाटी (हिंस)। असम भाजपा के वरिसी नेता भूपेन कुमार बोरा ने विपक्षी नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई कांग्रेस पार्टी के भीतर वरिसी नेताओं को किनारे करने की दिशा में काम कर रहे हैं। भूपेन बोरा ने दावा किया कि गौरव गोगोई जल्द ही प्रतिपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया को भी लक्ष्मण रेखा से बाहर कर देंगे और यह कांग्रेस की कॉफिन में *आखिरी कील ठोकने* जैसा कदम होगा। भूपेन बोरा बीती रात बिहपुरिया में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनके इस बयान से राज्य की राजनीति में बढ़ते तनाव के संकेत मिल रहे हैं। इसके अलावा, बोरा ने राइजर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई पर भी तंज कसते हुए उनकी तुलना महाभारत के पात्र दुर्योधन से की। उन्होंने कहा कि अखिल गोगोई को *दुर्योधन की तरह और कपड़े उतारने की जरूरत नहीं है।*

धुबड़ी जिले में पांच निर्वाचन क्षेत्रों के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिले में पांच निर्वाचन क्षेत्र के लिए दो पर्यवेक्षक पहुंचे। गौरीपुर, 9 वीर सिंह जरुआ और 10 बिलासीपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के लिए पर्यवेक्षक के रूप में प्रकाश चौधरी (भा-रा-से) उपस्थित हुए। उनका फोन नंबर है 9181512040 और 6 नंबर गोलकगंज तथा आठ नंबर धुबड़ी के लिए पर्यवेक्षक के रूप में वामसी कृष्ण रेड्डी पहुंचे और उनका फोन नंबर 9181879050 है। दोनों पर्यवेक्षक अधिकारियों ने धुबड़ी सर्किट हाउस में डेरा डाले हुए हैं। वह चुनावी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों के सभी खर्चो से संबंधित मामलों की जांच और निगरानी करने के उद्देश्य से पहुंचे हैं। चुनाव खर्च से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए उक्त फोन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। संपर्क का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी का कार्यालय जिला परिषद के सम्मेलन कक्ष में दोनों पर्यवेक्षक ने विभिन्न सेल नोडलं व सहयोगी अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके अलावा समकक्ष में दोनों पर्यवेक्षकों ने विभिन्न सेल के नोडल अधिकारी सहयोगी अधिकारी और सभी एफएटी, बीएसटी वीवीटी, एसएसटी, सदस्यों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया।

असम की सामाजिक विविधता को दर्शाती है भाजपा उम्मीदवारों की सूची : पबित्र मार्घेरिटा

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा असम विधानसभा चुनाव के लिए जारी उम्मीदवारों की पहली सूची राज्य की सामाजिक विविधता का प्रतिनिधित्व करती है। उम्मीदवारों की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सूची का अवलोकन करने पर स्पसी होता है कि इसमें विभिन्न जनजातियों, उप-जनजातियों और समाज के अलग-अलग वर्गों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि असम अनेक जातियों, समुदायों और वर्गों वाला राज्य है और सूची में सभी का संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। मार्घेरिटा ने यह भी बताया कि पार्टी ने *नारी शक्ति* और *युवा शक्ति* को प्राथमिकता देते हुए कई महिलाओं और युवाओं को टिकट दिया है।

भाजपा का होजाई सीट पर मास्टरस्ट्रोक

शिलादित्य देव को मिला टिकट समर्थकों में उत्साह की बौछार

होजाई (निसं)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भाजपा ने होजाई विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक शिलादित्य देव को अपना उम्मीदवार घोषित कर सरप्राइज दिया है। हिंदू नववर्ष के शुभ मुहूर्त पर गुरुवार को आई इस घोषणा ने उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर पैदा कर दी। बाजारों से लेकर गलियों तक मिठाई बंटी और बधाइयों का सिलसिला चल पड़ा। पार्टी हाईकमान के इस फैसले से होजाई की राजनीति में नया मोड़ आ गया है। वर्तमान विधायक रामकृष्ण घोष ने अपने कार्यकाल में सड़कों, स्कूलों के अपग्रेड और बाढ़ राहत पर जोर देकर टिकट की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश की थी। लेकिन शिलादित्य देव ने

2016-21 के विधायकी काल और उसके बाद असम भाषाई अल्पसंख्यक उन्नयन परिषद के चेयरमैन के रूप में किए काम-जैसे अल्पसंख्यक छात्रावास, हेल्थ सेंटर्स और सांस्कृतिक आयोजनों का विस्तार-से जनाधार मजबूत कर लिया। अन्य दावेदारों के बीच यह चयन विकास और समावेशी राजनीति का संदेश देता नजर आ रहा है। स्थानीय निवासीयों ने उत्साह से कहा कि शिलादित्य देव का अनुभव होजाई को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य-सब मजबूत होंगे। भाजपा ने सही चॉइस की। लोगों ने जोड़ा कि उनकी वापसी से क्षेत्र चमकेगा। हालांकि, रामकृष्ण घोष समर्थकों के चेहरों पर निराशा साफ दिख रही है, भले ही वे खुलकर न बोलें। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि यह कदम भाजपा की अल्पसंख्यक-मैत्री वाली इमेज को पुख्ता करेगा, लेकिन गुटबाजी चुनौती पैदा कर सकती है। शिलादित्य देव ने कहा कि सभी वर्गों के साथ मिलकर होजाई का विकास तेज करेंगे और जीत हासिल करेंगे। अब होजाई में चुनावी रण का डंका बज चुका है।

असम विधानसभा चुनाव 2026

यूपीपीएल ने जारी की उम्मीदवारों की तीसरी सूची

कोकराझाड़ (विभास)। यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए कमर कसते हुए आज अपनी उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो की मंजूरी के बाद पांच महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई। पार्टी द्वारा जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, निम्नलिखित पांच सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का चयन किया गया है: बाओखुंगरी निर्वाचन क्षेत्र से प्रतिभा ब्रह्म को उम्मीदवार बनाया गया, पर्वतझोरा सीट के लिए अयूब हुसैन मंडल के नाम पर मुहर लगी है, सिदली-चिरांग निर्वाचन क्षेत्र से रंजित बसुमतारी चुनाव लड़ेंगे, गोयेश्वर से पार्टी ने पवित्र बोड़ो को अपना प्रत्याशी घोषित किया है, माजबाट निर्वाचन क्षेत्र के लिए रवींद्र बसुमतारी के नाम की घोषणा की गई है। तीसरी सूची के जारी होने के साथ ही बीटीआर और आसपास के क्षेत्रों में राजनीतिक हलचल काफी तेज हो गई है। पार्टी अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो ने विश्वास जताया है कि घोषित किए गए सभी उम्मीदवार जनता की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। आगामी चुनावों को देखते हुए यूपीपीएल अब जमीनी स्तर पर अपने जनसंपर्क और प्रचार अभियान को और अधिक गति देने की योजना बना रही है।

बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने फकीराग्राम में चुनावी जनसभा के साथ भरी हुंकार

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने आज फकीराग्राम ब्लॉक समिति के तत्वावधान में फकीराग्राम कम्युनिटी हॉल में एक विशाल *चुनावी अभियान बैठक* (इलेक्शन कैंपेन मीटिंग) का आयोजन किया। आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए, यह बैठक पार्टी की रणनीति और जनसंपर्क अभियान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम थी। इस कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण पार्टी के वरिसी और प्रभावशाली नेता (जैसा कि छवि में दिखाया गया है) की उपस्थिति थी। स्थानीय बीपीएफ नेताओं और बड़ी संख्या में उपस्थित उत्साही कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए, बीपीएफ नेताओं ने क्षेत्र के विकास, बोड़ोलैंड क्षेत्र के लोगों के अधिकारों और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया। नेताओं ने बीपीएफ के पिछले कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों और भावी योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने और पार्टी का संदेश हर घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। यहां फकीराग्राम के एमसीएलए इनामूल हक, बीपीएफ के केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष कस्टम बसुमतारी, सहित अन्य अतिथि उपस्थित थे। यहां कांग्रेस, यूपीपीएल आदि दल से 47 लोगों ने बीपीएफ मे ज्वाइन किया। बैठक का आयोजन फकीराग्राम ब्लॉक समिति, बीपीएफ द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं, युवा नेताओं और समर्थकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पार्टी के एक स्थानीय नेता ने कहा कि यह बैठक बीपीएफ के लिए एक बड़ी सफलता है और इससे आगामी चुनाव में हमारी जीत सुनिश्चित होगी। बीपीएफ की इस जनसभा को क्षेत्र में पार्टी की पकड़ मजबूत करने और मतदाताओं को आकर्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अन्य दल भी अपनी तैयारियों को तेज कर रहे हैं, जिससे आगामी चुनाव के दिलचस्प होने की संभावना है।

नगरबेरा के पहाड़पाड़ा में ड्रग तस्कर गिरफ्तार

नगरबेरा (विभास)। कामरूप जिले के नगरबेरा थाना क्षेत्र के पहाड़पाड़ा के पास पुलिस ने आज शाम नशे के खिलाफ अभियान चलाया। खबरों के अनुसार, नगरबेरा में तुपामारी पुलिस स्टेशन के प्रभारी चंपक कलिता के नेतृत्व में एक टीम ने शाहिदुल इस्लाम को गिरफ्तार किया और उसके पास से ड्रग्स के 28 कंटेनर जब्त किए। गिरफ्तार ड्रग पेडलर की बात कही जा रही है कि वह ग्वालपाड़ा के पडुपारा में शाहिदुल इस्लाम का घर है।

नुरुद्दीन अहमद सीनियर इंटर-डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट 19 अप्रैल से शुरू

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि 2026-27 सीजन के लिए नुरुद्दीन अहमद सीनियर इंटर-डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट 19 अप्रैल 2026 से राज्य के अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। 2026-27 सीजन के लिए, एसीए ने प्रतियोगिता की संरचना में बदलाव किया है। इसमें भाग लेने वाली जिला टीमों को दो समूहों में बांटा गया है - एलीट ग्रुप और प्ले ग्रुप। एलीट ग्रुप में पिछले सीजन (2025-26) की शीर्ष 16 टीमें शामिल होंगी, जिनका चयन रैंकिंग और नेट रन रेट (एनआरआर) के आधार पर किया गया है; जबकि शेष 25 टीमें प्लेट ग्रुप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। एलीट श्रेणी को चार समूहों में विभाजित किया गया है, जिनके मैच गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, बरपेटा और गोलाघाट में आयोजित किए जाएंगे। ग्रुप ए की मेजबानी गुवाहाटी करेगा, जिसमें गुवाहाटी, नलबाड़ी, सिलचर और बंगाईगांव की टीमें शामिल होंगी। ग्रुप बी के मैच डिब्रूगढ़ में होंगे, जिसमें एनएफआरएसए, होजाई, डिब्रूगढ़ और बिश्वनाथ की टीमें भाग लेंगी। ग्रुप सी के मैच बरपेटा में खेले जाएंगे, जिसमें कोकराझाड़, श्रीभूमि, लखीमपुर और ग्वालपाड़ा की टीमें शामिल होंगी। ग्रुप डी के मैच गोलाघाट में आयोजित होंगे, जिसमें तेजपुर, नगांव, बोकाखात और तिनसुकिया की टीमें भाग लेंगी। प्लेट श्रेणी में छह समूह होंगे, जिनके मैच हैलाकांडी, मंगलदाई, ग्वालपाड़ा, नगांव, धुबड़ी और डिफू में निर्धारित किए गए हैं। ग्रुप-ए की मेजबानी हैलाकांदी करेगा, जिसमें हैलाकांदी, डिमा हसाओ, कार्बी आंग्लांग और लखीपुर की टीमें शामिल होंगी। ग्रुप-बी की मेजबानी मंगलदै करेगा, जिसमें जोरहाट, मंगलदाई, गोलाघाट, तितबर और मार्घेरिटा की टीमें शामिल होंगी। ग्रुप-सी की मेजबानी ग्वालपाड़ा करेगा, जिसमें धेमाजी, बजाली, माजुली और उत्तर सालमारा की टीमें शामिल होंगी। ग्रुप-डी की मेजबानी नगांव करेगा, जिसमें शिवसागर, कालियाबोर, मोरीगांव और चराइदेव की टीमें शामिल होंगी। ग्रुप-ई की मेजबानी धुबड़ी करेगा, जिसमें बारपेटा, धुबड़ी, बिलासपाड़ा और रंगिया की टीमें शामिल होंगी। ग्रुप-एफ की मेजबानी डिफू (कार्बी-आंगलोंग) करेगा, जिसमें नाहरकटिया, नाजिरा, उदलगुड़ी और चिरांग की टीमें शामिल होंगी। एलीट ग्रुप के लीग मैच 19 अप्रैल से 2 मई तक होंगे, जिसके बाद 7 और 8 मई को गुवाहाटी और बरपेटा दोनों जगहों पर फाइनल राउंड (रनर-अप मैच) होंगे। सेमी-फाइनल 11 से 13 मई तक उमरांगसू और बरपेटा में होंगे, जबकि फाइनल 16 से 19 मई 2026 तक गुवाहाटी में खेला जाएगा। प्लेट ग्रुप के मैच 19 अप्रैल से शुरू होंगे और 28 अप्रैल 2026 तक चलेंगे। फाइनल राउंड 30 अप्रैल को मंगलदै में शुरू होगा, जिसका फाइनल 8 मई 2026 को होना तय है। इस नए ढांचे का मकसद खिलाड़ियों को मल्टी-डे और लिमिटेड-ओवर्स, दोनों फॉर्मेट में ज्यादा से ज्यादा मुकाबले का अनुभव देना है, जिससे घरेलू क्रिकेट में असम का कुल प्रदर्शन और मजबूत हो सके।

संपादकीय

अब तेल भी उछलेगा

बीते साल की तुलना में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत 17.7 फीसदी कम हुई है, लेकिन संकट और मांग अब भी व्यापक हैं। एलपीजी की तुलना में अब तेल में आग लगने के आसार हैं, जिसकी हकीकत पेट्रोलियम मंत्रालय छिपा रहा है अथवा हरे-भरे आंकड़े पेश किए जा रहे हैं। बार-बार आश्वस्त किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे, जबकि अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस सरीखे बड़े देशों में पेट्रोल-डीजल महंगे करने पड़े हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका जैसे कर्जदार और विपन्न देशों से तुलना क्या करनी? भारत में पेट्रोल की 13 फीसदी और डीजल की 8 फीसदी से अधिक खपत बढ़ी है। ये अधिकृत संगठनों के अध्ययन के निष्कर्ष हैं। गौरतलब तथ्य यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 17 मार्च को 103 डॉलर प्रति बैरल थी, लेकिन भारत ने 108.23 डॉलर के दाम पर तेल खरीदा है। बीती 16 मार्च को इंडियन बास्केट कच्चे तेल की कीमत ने आसमान छू लिया, जो 142.69 डॉलर प्रति बैरल के अनपेक्षित उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। फरवरी में कच्चे तेल की कीमत हमें 69 डॉलर पड़ी थी। वह मार्च में औसतन 108.23 डॉलर हो गई। एलपीजी के साथ-साथ तेल की कीमतों का यह उछाल भारतीय अर्थव्यवस्था को डांवाडोल कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हमें कच्चा तेल 142 डॉलर की कीमत पर खरीदते रहना पड़ा, तो उससे महंगाई दर 8-10 फीसदी तक उछल सकती है। अभी तो यह 4 फीसदी के करीब बताई जा रही है। भारत की आर्थिक विकास दर लुढ़क कर 4-5 फीसदी पर आ सकती है। अलग-अलग तिमाही में विकास दर 8 फीसदी से अधिक भी रही है। भारत सरकार के आर्थिक सलाहकारों और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के दावे हैं कि 31 मार्च को समाप्त होने वाले 2025-26 वित्त वर्ष के दौरान विकास दर 7 फीसदी से अधिक रहेगी और आने वाले वित्त वर्ष में भी यह करीब 7 फीसदी रह सकती है, जो विश्व में सर्वाधिक है। अब ईरान युद्ध के प्रभावों के मद्देनजर क्या आर्थिकी होगी, हम उसका विश्लेषण कर रहे हैं। कुछ ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में अभी से तोरी, भिंडी 150 रुपए किलो और नींबू 200 रुपए किलो बिकने शुरू हो गए हैं। प्याज, टमाटर कब महंगे होने लगेंगे, यह इस पर आश्रित है कि महंगाई दर कितनी बढ़ती है और हर वस्तु का परिवहन का खर्च कितना महंगा होता है? एलपीजी संकट के मद्देनजर औसतन रेस्तरां ने खान-पान के दाम 57 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। स्ट्रीट फूड भी 25 फीसदी महंगा हो गया है, लिहाजा आम आदमी पिसने लगा है। सूखे मेवे के दाम 25-45 फीसदी, खाद्य तेल के दाम 20 रुपए प्रति लीटर, दवाइयों के दाम 30 फीसदी तक बढ़ गए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान भी महंगा हुआ है। विमानन कंपनियों ने भी 'फ्यूल सरचार्ज' थोप दिए हैं। इस तरह खुदरा और थोक महंगाई दरें बढ़नी तय लग रही हैं। एक अनुमान है कि सरकार को 27.6 लाख करोड़ रुपए का घाटा हो सकता है, जाहिर है कि चालू खाता घाटा भी जीडीपी के 2.5 फीसदी तक पहुंच सकता है। बजट में सरकार का लक्ष्य सामने आया था कि चालू खाता घाटा 1 फीसदी के करीब रखा जाएगा। बहरहाल ईरान युद्ध के मद्देनजर ही वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 लाख करोड़ रुपए का 'आर्थिक स्थिरीकरण कोष' बनाने की घोषणा की थी। इसके लिए आवश्यक धन मौजूदा विनियोग और अतिरिक्त आवंटन से आएगा। हालांकि सरकार से उम्मीद है कि वह चालू वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 फीसदी राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करेगी। चुनौती केंद्र सरकार के सामने ही है कि वह पेट्रोल-डीजल के दाम कब तक बढ़ाने के निर्देश नहीं देगी? कच्चे तेल की कीमतें तो तमाम हदें पार कर चुकी हैं। हमारे दो जहाज भारतीय बंदरगाहों पर आ चुके हैं, जिनमें 92,700 मीट्रिक टन एलपीजी है। यह तो मात्र एक दिन की खपत के बराबर गैस है। अभी हमारे 22 और जहाज पश्चिमी खाड़ी में फंसे हैं।

> एलपीजी की तुलना में अब तेल में आग लगने के आसार हैं, जिसकी हकीकत पेट्रोलियम मंत्रालय छिपा रहा है अथवा हरे-भरे आंकड़े पेश किए जा रहे हैं। बार-बार आश्वस्त किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे, जबकि अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस सरीखे बड़े देशों में पेट्रोल-डीजल महंगे करने पड़े हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका जैसे कर्जदार और विपन्न देशों से तुलना क्या करनी? भारत में पेट्रोल की 13 फीसदी और डीजल की 8 फीसदी से अधिक खपत बढ़ी है। ये अधिकृत संगठनों के अध्ययन के निष्कर्ष हैं। गौरतलब तथ्य यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 17 मार्च को 103 डॉलर प्रति बैरल थी, लेकिन भारत ने 108.23 डॉलर प्रति बैरल पर तेल खरीदा है। बीती 16 मार्च को इंडियन बास्केट कच्चे तेल की कीमत ने आसमान छू लिया, जो 142.69 डॉलर प्रति बैरल के अनपेक्षित उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। फरवरी में कच्चे तेल की कीमत हमें 69 डॉलर पड़ी थी। वह मार्च में औसतन 108.23 डॉलर हो गई। एलपीजी के साथ-साथ तेल की कीमतों का यह उछाल भारतीय अर्थव्यवस्था को डांवाडोल कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हमें कच्चा तेल 142 डॉलर की कीमत पर खरीदते रहना पड़ा, तो उससे महंगाई दर 8-10 फीसदी तक उछल सकती है। अभी तो यह 4 फीसदी के करीब बताई जा रही है। भारत की आर्थिक विकास दर लुढ़क कर 4-5 फीसदी पर आ सकती है।

भाजपा का एजेंडा पूरा करने के लिए बार-बार पश्चिम बंगाल आतीं हैं और उम्मीद करती हैं कि मैं आपके स्वागत के लिए रहूं तो ऐसा नहीं हो सकता

संवैधानिक मर्यादा का खुलेआम अतिक्रमण

अवधेश कुमार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रशासन का अपने राज्य में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ हुआ व्यवहार हर दृष्टि से अस्वीकार्य और डर पैदा करने वाला है। ममता बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रपति भाजपा के एजेंडे में फंस गईं हैं। भाजपा उनसे अपना एजेंडा पूरा करवा रही है। ममता बनर्जी इसके राज्यपाल से लेकर चुनाव आयोग केंद्रीय एजेंसियां और यहां तक की कई बार न्यायपालिका को भी इसी भाषा में आरोपित कर चुकी हैं। अभी तक राष्ट्रपति का पद उनके अपमान और दुर्व्यवहार से बचा हुआ था। राष्ट्रपति को आरोपित करना वास्तव में राजनीतिक पतन की पराकाष्ठा है। आखिर हमारी राजनीति कहां पहुंच गई है जहां नेता यह भी नहीं समझ रहे कि किसी प्रतिस्पर्धी पार्टी या चुनाव के लिए हम जो कुछ कर रहे हैं इसका कितना भयानक असर हो सकता है। राष्ट्रपति के पद को स्तरहीन दलीय राजनीति से बाहर रखा जाना चाहिए। ममता बनर्जी कह रहीं हैं कि आप 50 बार आयें तो सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होना संभव नहीं होगा। भाजपा की चिंता सत्ता होती है और मेरी चिंता मेरे राज्य की जनता होती है। यानी वह कह रहीं हैं कि आप भाजपा का एजेंडा पूरा करने के लिए बार-बार पश्चिम बंगाल आतीं हैं और उम्मीद करती हैं कि मैं आपके स्वागत के लिए रहूं तो ऐसा नहीं हो सकता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की बंगाल यात्रा के दौरान ममता बनर्जी एसआईआर को लेकर धरने में शामिल थीं। क्या ममता बनर्जी की इस तरह की भाषा और व्यवहार को सामान्य लोकतांत्रिक मर्यादा और संविधान की भावनाओं के अनुरूप भी माना जा सकता है? राष्ट्रपति मुर्मू पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम को संबोधित करने गईं थीं। 9वां अंतरराष्ट्रीय संथाल फिल्म महोत्सव व कॉन्फ्रेंस बागडोगरा हवाई अड्डा के पास सिलीगुड़ी महकमा परिषद के गोसाईंपुर में आयोजित किया गया। दरअसल, कार्यक्रम विधाननगर में आयोजित होना था लेकिन पश्चिम बंगाल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य कारणों का हवाला देते हुए इसे स्थानांतरित कर दिया। कार्यक्रम के लिए प्राप्त स्थान तक पहुंचना कठिन था और इतना छोटा था कि ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकते थे। स्वाभाविक था कि राष्ट्रपति विधान नगर भी गईं, संथाल भाई-बहन वहां भी थे। वहां उन्हें अपना असंतोष प्रकट करने तथा सच्चाई अभिव्यक्त करने को बाध्य होना पड़ा। वस्तुतः बंगाल की धरती पर उतरने के समय से ही सरकार द्वारा राष्ट्रपति की अवहेलना और अपमान की शुरुआत हो गई। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति पद के प्रोटोकॉल के अनुसार कोई उपस्थित नहीं था। सामान्य प्रोटोकॉल और परंपरा के अनुसार राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए राज्यपाल रहते हैं, सामान्य तौर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री या अगर किसी कारणवश वह नहीं आ सकीं तो उनकी जगह कोई मंत्री रहते हैं। इसके साथ प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव भी उपस्थित रहते हैं। वहां कोई नहीं था। सिलीगुड़ी के मेयर ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय जनजाति मामलों के राज्यमंत्री दुर्गादास उइके इसलिए थे क्योंकि कार्यक्रम जनजाति समुदाय का था। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह ऐसी पहली घटना है। ऐसा कभी नहीं हुआ जब कोई राज्य सरकार राष्ट्रपति के कार्यक्रम के लिए उपयुक्त जगह की अनुमति न दे, उनकी पूरी तरह अवहेलना करें और असंतोष व्यक्त करने पर प्रतिक्रिया ऐसे दें जैसे अपने किसी राजनीतिक प्रतिस्पर्धी से टकरा रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शांत स्वभाव की मानी जाती हैं और कभी भी अशांत या गुस्सैल प्रतिक्रिया देते देखा नहीं गया। द्रौपदी मुर्मू ने यही कहा कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर कोई समस्या नहीं है कि कोई रिसीव करने आए या ना आए किंतु राष्ट्रपति पद के प्रोटोकॉल का पालन होना चाहिए। राष्ट्रपति देश के संवैधानिक अभिभावक होते हैं। सभी का उस पद की गरिमा और स्थापित परंपरा के अनुरूप सम्मान देना है। दूसरी ओर राष्ट्रपति का भी दायित्व है कि परंपरा गरिमा और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आगाह करें। उन्हें सार्वजनिक रूप से ऐसा बोलने को विवश होना पड़ा तो निश्चित रूप से स्थिति अस्वीकार्य थी। क्या राष्ट्रपति मौन रहकर इस तरह के व्यवहार को प्रोत्साहित करने की भूमिका निभातीं? आज एक राज्य में ऐसा हुआ कल दूसरे में होगा और जो एक राष्ट्रपति के साथ हो रहा है वह दूसरे के साथ भी हो सकता है। इसलिए, राष्ट्रपति के नाते इस विषय को पूरी गंभीरता से सामने रखना उनका दायित्व है। अगर उन्हें इसकी जानकारी मिली कि यहां कार्यक्रम में संथाल जनजाति के लोग इसलिए नहीं आ पाए क्योंकि कार्यक्रम पहले दूसरी जगह निर्धारित था तो प्रशासन के सहयोग की पूरी जानकारी मिलने के बाद उनके वहां जाना भी स्वाभाविक था। क्या ममता मानती हैं कि उन्हें चुपचाप वापस आ जाना चाहिए था? उन्होंने यही कहा कि यह बड़ा मैदान था और मुझे जब मालूम हुआ कि आप लोग यहां हैं तो मैंने सोची कि मुझे जाकर आपसे मिलनी चाहिए। मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों किया गया क्योंकि यह मैदान दिया जाता तो सब लोग आ जाते। राष्ट्रपति द्वारा इस तरह अपनी भावना व्यक्त करने को भी मुख्यमंत्री के नाते ममता बनर्जी को गंभीरता से लेना चाहिए था। उन्हें शांत और संतुलित प्रतिक्रिया व्यक्त कर अपने पद की भी गरिमा प्रदर्शित करनी थी। इसकी जगह वह राष्ट्रपति को ही कठघरे में खड़ा कर रहीं हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि सम्मेलन के बारे में उनके पास कोई जानकारी नहीं थी, उसकी फंडिंग के बारे में, आयोजकों के बारे में उन्हें कुछ भी पता नहीं था। राष्ट्रपति के किसी प्रदेश में दौरा की सूचना राज्य सरकार के पास पहले जाती है। उसमें उनके सारे कार्यक्रम वर्णित होते हैं। राष्ट्रपति भवन के अधिकारी प्रदेश सरकार के साथ संपर्क में रहते हैं और लगातार बातचीत होती रहती है। उसके अनुसार उनका प्रोटोकॉल, कार्यक्रम में सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं होती हैं? क्या ममता बनर्जी के प्रशासन ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बारे में उनको जानकारी ही नहीं दी? अगर ऐसा है तो इसकी जांच होनी चाहिए, किंतु ममता बनर्जी के व्यवहार से ऐसा लगता नहीं कि उन्हें कुछ पता नहीं था। पश्चिम बंगाल की मीडिया ने राष्ट्रपति की यात्रा और कार्यक्रम के बारे में पूर्व समाचार दिया था। सब कुछ सामने होते हुए इस तरह का व्यवहार और वक्तव्य साबित करता है कि ममता बनर्जी की हनक के समक्ष भारत देश के शीर्ष पद का भी कोई सम्मान नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसे शर्मनाक और राष्ट्रपति का अपमान करने वाली हदें पार करने घटना बताना बिल्कुल सही है। प्रधानमंत्री या ऐसे शीर्ष पदों पर बैठे व्यक्तियों के सामने प्रतिक्रिया व्यक्त करने में भी मर्यादाएं सामने रहती हैं अन्यथा इसकी निंदा और विरोध के लिए कोई भी शब्द छोटे हैं। जनजाति समाज का कार्यक्रम और राष्ट्रपति की उपस्थिति के साथ जब ऐसा दर्दनाक व्यवहार हो तो फिर सामान्य संगठन और राजनीतिक दलों के कार्यक्रम के साथ प्रशासन का कैसा व्यवहार होता होगा इसकी कल्पना करिए। पश्चिम बंगाल में जनजाति समुदाय की बड़ी संख्या है और उनकी परंपराओं ने देश को केवल राज्य नहीं, भारत की संस्कृति को समृद्ध किया है स्वतंत्रता के संघर्ष में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वयं राष्ट्रपति जनजाति समुदाय से आती हैं। ममता बनर्जी स्वयं को आदिवासी समाज के लिए संघर्ष करने वाली और उनका हितैषी घोषित करती हैं। इस घटना के बाद क्या यह बताने की आवश्यकता है कि जनजाति समुदाय के प्रति उनके अंदर वाकई संवेदनशीलता और सम्मान है? वास्तविकता का साक्षात प्रमाण सामने है। विडंबना देखिए, सभी भाजपा विरोधी दल इस पर मौन हैं। इन दलों का व्यवहार हतप्रभ करने वाला है। राष्ट्रपति कह रही हैं कि ऐसी स्थिति पैदा की गई ताकि कार्यक्रम न हो और उन्हें वापस पड़े। देश के सभी विवेकशील लोगों को विचार करना पड़ेगा कि क्या सत्ता की राजनीति इस सीमा तक चली जाएगी जहां प्रशासन द्वारा राष्ट्रपति के कार्यक्रम की व्यवस्था करने की जगह उसे हर स्तर पर विफल कर देने का व्यवहार हो? अगर आपका उत्तर नहीं है तो यह विचार करिए ऐसे व्यवहार का प्रतिकार कैसे हो ताकि आगे कभी इसकी पुनरावृत्ति न हो सके। ऐसा नहीं हुआ तो देश इस तरह की भयानक अराजकता में फंसेगा जहां किसी पद या विधान की मर्यादा नहीं बचेगी। ममता बनर्जी के कार्यकाल में तृणमूल सरकार ने बंगाल को ऐसे राज्य में बदल दिया है जहां कानून, संविधान, चुनाव, संवैधानिक संस्थायें सब कुछ दांव पर लग चुका है।

> ममता बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रपति भाजपा के एजेंडा में फंस गईं हैं। भाजपा उनसे अपना एजेंडा पूरा करवा रही है। ममता बनर्जी इसके राज्यपाल से लेकर चुनाव आयोग केंद्रीय एजेंसियां और यहां तक की कई बार न्यायपालिका को भी इसी भाषा में आरोपित कर चुकी हैं। अभी तक राष्ट्रपति का पद उनके अपमान और दुर्व्यवहार से बचा हुआ था। राष्ट्रपति को आरोपित करना वास्तव में राजनीतिक पतन की पराकाष्ठा है। आखिर हमारी राजनीति कहां पहुंच गई है जहां नेता यह भी नहीं समझ रहे कि किसी प्रतिस्पर्धी पार्टी या चुनाव के लिए हम जो कुछ कर रहे हैं इसका कितना भयानक असर हो सकता है। राष्ट्रपति के पद को स्तरहीन दलीय राजनीति से बाहर रखा जाना चाहिए। ममता बनर्जी कह रहीं हैं कि आप 50 बार आयें तो सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होना संभव नहीं होगा।

देश दुनीया से

युद्ध संकट में फंसा वैश्विक तेल बाजार

पश्चिम एशिया लंबे समय से विश्व की ऊर्जा राजनीति का केंद्र रहा है और वहां होने वाला कोई भी सैन्य या राजनीतिक टकराव सीधे वैश्विक तेल बाजार को प्रभावित करता है। इजरायल-अमेरिका और ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेजी इसी संवेदनशीलता का परिणाम है। पिछले कुछ दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 65 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है (एक बैरल में लगभग 159 लीटर कच्चा तेल होता है।) कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) से मुख्यतः कई तरह के पदार्थ बनाए जाते हैं, जिनमें गैसोलीन, पेट्रोल, डीजल, केरोसीन, लुब्रिकेंट्स (इसकी अलग अलग कई श्रेणियां होती हैं), एलपीजी गैस, पैराफिन मोम, बिटुमिन, पेट्रो कॉक, पॉली एथिलीन, टेफलोन, पॉली विनायल क्लोराइड, एसफॉल्ट, प्रोपेन, सल्फर। इन सबके अतिरिक्त लगभग 120 से ज्यादा तरह के उपोत्पाद कच्चे तेल या क्रूड ऑयल से प्राप्त होते हैं। जैसे ही भारत में गैस किल्लत की खबरें आना शुरू हुई भारत में केवल 4 दिनों में लगभग 5 लाख इंडक्शन कुकटॉप्स बेचे गए, इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न है। अंतरराष्ट्रीय कीमतों में किसी भी प्रकार की वृद्धि का सीधा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई दर और राजकोषीय संतुलन पर पड़ता है। भारतीय रिजर्व बैंक के आकलन के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में प्रत्येक 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से भारत के आयात बिल में 13 से 14 अरब डॉलर तक की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है। इससे न केवल विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है, बल्कि घरेलू बाजार में भी महंगाई का दबाव बढ़ जाता है। ऊर्जा की कीमतों में यह वृद्धि परिवहन, उत्पादन और उपभोक्ता वस्तुओं की लागत को बढ़ा देती है, जिससे समग्र अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ता है। इसलिए तेल की कीमतों में तेजी को केवल ऊर्जा संकट के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक आर्थिक चुनौती के रूप में देखा जाता है। यदि हम भारत में तेल गैस के स्टॉक के गणित का जायजा लें तो भारत में 25 दिन के लिए क्रूड ऑयल, 25 दिन तक के लिए ही पेट्रोल डीजल का स्टॉक बचा है और एलपीजी का 25 से 30 दिन और एलएनजी का 10 दिन का स्टॉक बचा है। वहीं चीन और जापान जैसे देशों के पास 200 से ज्यादा दिनों तक का पेट्रोल-डीजल का स्टॉक रखने का इंतजाम है। भारत में रोजाना क्रूड ऑयल की लगभग 5.5 मिलियन की खपत होती है, जबकि इतना ही 4.8 से 5.2 मिलियन बैरल क्रूड का भारत रोजाना इंपोर्ट करता है, जोकि सालाना करीब 240 से 250 मिलियन टन बैठता है। इस समय भारत 90 फीसदी ऑयल इंपोर्ट और 50 फीसदी गैस इंपोर्ट पर निर्भर है। भारत अपनी जरूरत का 90 प्रतिशत तक का क्रूड इंपोर्ट करता है। इस साल भारत में करीब 96399 हजार टन डीजल, 44877 टन पेट्रोल और 34692 टन एलपीजी की खपत होने का अनुमान है। जनवरी 2026 में भारत में 21.05 मिलियन टन तेल गैस की खपत हुई थी। आंकड़े बताते हैं कि 2026-27 में 250.8 मिलियन टन तेल गैस की खपत होने का अनुमान है। पिछले 15 वर्षों में भारत का तेल गैस का इंपोर्ट लगभग तीन गुना बढ़ गया है। हालांकि भारत ने पिछले वर्षों में अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का निर्माण किया है, जहां आपातकालीन परिस्थितियों में उपयोग के लिए कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। हाल के दिनों में देश के कई हिस्सों में रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर चिंता दिखाई दी है। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है और इन टैंकरों को भारत तक पहुंचने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरना पड़ता है। यदि इस समुद्री मार्ग पर किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है तो आपूर्ति श्रृंखला तुरंत प्रभावित हो जाती है। हिमाचल प्रदेश में भी प्रशासन ने स्थिति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया है कि घरेलू रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। प्रदेश में लगभग तीन लाख घरेलू गैस सिलेंडर और लगभग 15 हजार व्यावसायिक सिलेंडरों का स्टॉक मौजूद है। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक तंत्र ने यह भी स्पष्ट किया है कि आवश्यक सेवाओं जैसे अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही कालाबाजारी या अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। दीर्घकालिक दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि देश ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों, जैसे सौर, पवन और हरित हाइड्रोजन की ओर तेजी से आगे बढ़े। साथ ही ऊर्जा भंडारण और आपूर्ति अवसंरचना को भी मजबूत किया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय संकटों का प्रभाव घरेलू अर्थव्यवस्था पर कम से कम पड़े। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था अभी भी भू-राजनीतिक घटनाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। ऐसे में भारत के लिए ऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारण का विस्तार और नवीकरणीय ऊर्जा के विकास जैसे उपाय ही भविष्य की स्थिरता की कुंजी साबित होंगे। अंततः यह संकट केवल तेल की कीमतों का सवाल नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और वैश्विक राजनीतिक संतुलन का भी प्रश्न है। यदि भारत इन चुनौतियों से सबक लेकर ऊर्जा व्यवस्था को अधिक संतुलित और टिकाऊ बनाने की दिशा में आगे बढ़ता है, तो भविष्य में ऐसे संकटों के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

> इजरायल-अमेरिका और ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेजी इसी संवेदनशीलता का परिणाम है। पिछले कुछ दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 65 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है (एक बैरल में लगभग 159 लीटर कच्चा तेल होता है।) कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) से मुख्यत: कई तरह के पदार्थ बनाए जाते हैं, जिनमें गैसोलीन, पेट्रोल, डीजल, केरोसीन, लुब्रिकेंट्स (इसकी अलग अलग कई श्रेणियां होती हैं), एलपीजी गैस, पैराफिन मोम, बिटुमिन, पेट्रो कॉक, पॉली एथिलीन, टेफलोन, पॉली विनायल क्लोराइड, एसफॉल्ट, प्रोपेन, सल्फर। इन सबके अतिरिक्त लगभग 120 से ज्यादा तरह के उपोत्पाद कच्चे तेल या क्रूड ऑयल से प्राप्त होते हैं। जैसे ही भारत में गैस किल्लत की खबरें आना शुरू हुई भारत में केवल 4 दिनों में लगभग 5 लाख इंडक्शन कुकटॉप्स बेचे गए, इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न है।

कुछ अलग

क्रांति की भोथरी आवाज

कहां तो देश स्वतःस्फूर्त बन स्वचालित होकर निरंतर उड़ान भरने के लिए तत्पर हो रहा था और कहां बदलते हुए युद्धग्रस्त हालात ने इसे विकलांगता के कुएं में धकेल दिया। खैर, देश वापसी करना जानता है, चाहे धीरे-धीरे लंगड़ाते हुए ही सही। देश के स्वचालित हो जाने का लक्ष्य अभी कोसों दूर है, लेकिन फिलहाल दसवें से उभर कर चौथे आर्थिक पायदान तक पहुंच गए, इतना ही काफी है। जी क्या फरमाया आपने, यह काफी नहीं है। लेकिन भूखे को दिलासा और आहत को इस मरहम से एक बात तो साबित होती है कि भई, तरक्की चाहे लंगड़ा-लंगड़ा कर आगे बढ़ रही है, लेकिन इस मंदी, अवसाद और महंगाई के दिनों में तनिक दूसरे बड़े देशों की ओर भी झांक लो। वहां तो तरक्की की गति इससे भी कहीं कम है। अंधों में काना राजा, और लंगड़ों में थोड़ा तेज भाग लेने वाले देश के मसीहा फरमाते हैं कि धीरज रखो मियां, हमारी तरक्की की गति दुनिया में सबसे तेज है। अजी क्या तरक्की, और क्या उसकी गति? बस संतुष्ट हो जाओ, कि इस झंझावात में हमारा मकान तो गिरा, लेकिन पड़ोसी का मकान तो गिर कर मटियामेट हो गया। हम तो फिर भी अपनी धूल झाड़ कर उठने का प्रयास कर रहे हैं, वह तो अभी भी बेसुध धूल धक्कड़ में पड़ा है। वाह साहिब, यह अच्छा तर्क मिल गया। बेशक मेरी कमीज मैली और फटी पुरानी है, लेकिन पड़ोसियों की कमीज तो फिर चिन्दी-चिन्दी हो गई। संतोष देने वाले तर्क की यही गाड़ी आगे चल रही है। देश का गरीब गुरबा बढ़ती महंगाई और न रुकते भ्रष्टाचार से त्राहिमाम कर रहा है। लेकिन बन्धु, आंसू पोंछ लो।

आप का नजरीया

भीगी पलकों पर बजट

किफायत की दरियों पर बिछी है रेत, आंगन ढांपने को कालीन चाहिए। हिमाचल के बजट पर किफायत के साये तो हैं, लेकिन शर्तें हुकूमत की कहां मानतीं। देश की सबसे बड़ी अदालत के मुखिया सूर्यकांत के समक्ष मुख्यमंत्री आरडीजी का वृत्तांत देते हैं, तो बजट के अनुमान की पलकें भीग जाती हैं। चंद रोज बाद हिमाचल के दृश्यपटल पर जब बजट होगा, तो उसकी चीरफाड़ में कई वर्ग सामने आ जाएंगे। क्या इस बार बजट मेकअप कर पाएगा या उधार की तूलिका से कुछ नए रंग भर पाएगा। क्या मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू आरडीजी के जिक्र से बजट को डिफेंसिव बना देंगे। बजट इस बार आईना नहीं मुआयना होगा। जमीन पर खड़े होने तथा आकाश बदलने का पैमाना होगा। जाहिर है कुछ घोषणाएं होंगी, कुछ केंद्रीय बजट के अक्स से निकली प्राथमिकताएं होंगी।

बजट से आशाओं का एक गहरा समुद्र इस बार कर्मचारी वर्ग व पेंशनर्ज के सामने खड़ा है, तो इस एहसास के कर्ज में डुबकी लगाने का मंतव्य कैसे अदा होता है, यह देखना पड़ेगा। बजट की कठिन दरगाह पर केंद्र का व्यवहार रहा है। बेशक दिल तो टोटे-टोटे है, लेकिन आंधियों को मु_ी में भरने की तरकीबों में सुक्खू सरकार के अपने पैमाने हैरान जरूर करेंगे। मानना पड़ेगा कि यह मुख्यमंत्री आर्थिकी की असामान्य परिस्थितियों के बीच ऐड़ी-चोटी के प्रयास करता रहा है। आबकारी नीति के पेंच कसते हुए जो बटोर पाए, वह आसान तो नहीं था। कुछ अनावश्यक स्कूल-कालेज और संस्थानों की संख्या घटा पाए, तो यह आसानी से कहां कबूल था। यह दीगर है कि हिमाचल का राजनीतिक और सामाजिक मूड कठिन प्रयासों में शिरकत नहीं करता, इसलिए इस सरकार के बहुत सारे फैसले अभी सही परिप्रेक्ष्य में पढ़े नहीं जा रहे, लेकिन हमें तय करना होगा कि आत्मनिर्भरता के नक्शे पर इंद्रधनुषी रंग नहीं होते, बल्कि हाथों के फफोलों पर इक दीया जलाना होता है। यह बजट दरअसल आर्थिक घावों पर दीपक जलाने का प्रयास ही होगा। यह दीगर है कि अगर सरकार किफायती कदमों की नुमाइश में खुद आदर्श बने तो जनता भी इस मुहिम की पात्र बनेगी। यह मुश्किल कार्य है। भले ही एचआरटीसी के कई रूट बंद कर दिए या निजी को दे दिए, लेकिन आर्थिक सुधारों की दृष्टि से कई निगमों-बोर्डों की छंटाई जरूरी है। बजट के मार्फत हमेशा सुक्खू एहसास करती जनता के सामने कुछ अनावश्यक नुमाइश के पर काटने की बारी है। अगर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला अपने वर्तमान 152.20 करोड़ के वित्तीय आबंटन से नहीं चल रहा है, तो तमाम विश्वविद्यालयों की वित्तीय व्यवस्था को ढांपना मुश्किल है। कितने विश्वविद्यालय-मेडिकल कालेज, कालेज व स्कूल हिमाचल के आर्थिक हिसाब से जरूरी हैं। वर्तमान सरकार कहती है कि पिछली सरकार ने सैकड़ों अनावश्यक इमारतें खड़ी कर दीं, तो क्या आगामी बजट ऐसे कारनामों को अंजाम नहीं देगा। किफायत के ढोल नहीं होते, लेकिन फिजूलखर्ची के कई यार होते हैं। मुआयना भी यही होगा कि इस बार आर्थिक संकट के दौर में क्या सरकार निडरता से कुछ आर्थिक सुधार कर पाती है। बजट की भूमिका में प्रदेश की आर्थिक नीतियों का आधार कहां-कहां टिकता है। निजी क्षेत्र की भूमिका के लिए सरकार अपना राजपाठ किस हद तक छोड़ती है। युवाओं को रोजगार का रास्ता दिखाने के लिए जो स्टार्ट अप व बाकी योजनाएं घोषित हुई हैं, उनका वृत्तांत बजट को देना चाहिए। कमोबेश इसी तरह आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से सरकार ने क्या-क्या किया, इसका हवाला देना पड़ेगा। इसमें दो राय नहीं कि बजट की हर कसौटी आर्थिक ही होगी। अगले साल हिमाचल विधानसभा के चुनाव भी वर्तमान बजट से मनमोहक फैसलों की आहट महसूस करेंगे, तो सुक्खू के बजट में सियासी तरन्नुम खोजा जरूर जाएगा। बजट में इरादों का सफर, वादों का घालमेल और आशाओं का निर्वहन किस तरीके और सलीके से मुख्यमंत्री कर पाते हैं, इसे आश्चर्य की तुकबंदी से देखना होगा। बेशक नीतियों के खजाने दिल खोलकर लुटाए जाने की छूट मिलती रहेगी।

> देश की सबसे बड़ी अदालत के मुखिया सूर्यकांत के समक्ष मुख्यमंत्री आरडीजी का वृत्तांत देते हैं, तो बजट के अनुमान की पलकें भीग जाती हैं। चंद रोज बाद हिमाचल के दृश्यपटल पर जब बजट होगा, तो उसकी चीरफाड़ में कई वर्ग सामने आ जाएंगे। क्या इस बार बजट मेकअप कर पाएगा या उधार की तूलिका से कुछ नए रंग भर पाएगा। क्या मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू आरडीजी के जिक्र से बजट को डिफेंसिव बना देंगे। बजट इस बार आईना नहीं मुआयना होगा। जमीन पर खड़े होने तथा आकाश बदलने का पैमाना होगा। जाहिर है कुछ घोषणाएं होंगी, कुछ केंद्रीय बजट के अक्स से निकली प्राथमिकताएं होंगी। बजट से आशाओं का एक गहरा समुद्र इस बार कर्मचारी वर्ग व पेंशनर्ज के सामने खड़ा है, तो इस एहसास के कर्ज में डुबकी लगाने का मंतव्य कैसे अदा होता है, यह देखना पड़ेगा। बजट की कठिन दरगाह पर केंद्र का व्यवहार रहा है। बेशक दिल तो टोटे-टोटे है, लेकिन आंधियों को मु_ी में भरने की तरकीबों में सुक्खू सरकार के अपने पैमाने हैरान जरूर करेंगे। मानना पड़ेगा कि यह मुख्यमंत्री आर्थिकी की असामान्य परिस्थितियों के बीच ऐड़ी-चोटी के प्रयास करता रहा है। आबकारी नीति के पेंच कसते हुए जो बटोर पाए, वह आसान तो नहीं था। कुछ अनावश्यक स्कूल-कालेज और संस्थानों की संख्या घटा पाए, तो यह आसानी से कहां कबूल था।

दृष्टि कोण

डिजिटल आराम, मानसिक तनाव कहाँ फंस गया इंसान?

आज के युग में हर तरफ सुविधाओं का बोलबाला है। एक क्लिक में खाना, कपड़े, मनोरंजन सब घर बैठे मिल जाता है। स्मार्टफोन, ऐप्स और इंटरनेट ने जीवन को इतना सरल बना दिया है कि लगता है जैसे पुरानी मुश्किलें हमेशा के लिए गायब हो गईं। लेकिन क्या सचमुच जीवन आसान हो गया है? या यही सुविधाएं एक जाल बनकर हमें उलझा रही हैं? जहां पहले लोग खुद मेहनत करके काम करते थे वहां आज मशीनें और सेवाएं सब संभाल रही हैं। फिर भी तनाव, चिंता और असंतोष बढ़ता जा रहा है। यह विरोधाभास इसलिए है क्योंकि सुविधाएं हमें आराम देती हैं लेकिन साथ ही हमारी स्वतंत्रता, स्वास्थ्य और रिश्तों को चुरा लेती हैं। वास्तव में यह जाल इतना मजबूत है कि निकलना मुश्किल हो गया है। हम सुविधाओं के गुलाम बन चुके हैं और यही वजह है कि आसान जीवन मुश्किल से भी ज्यादा बोझिल लगने लगा है। तकनीक ने हमारे जीवन की गति को इतना तेज कर दिया है कि ठहराव जैसे शब्द का अस्तित्व ही खत्म हो गया है। सुबह उठते ही मोबाइल की स्क्रीन पर नजर डालना और रात को उसी रोशनी में सो जाना अब दिनचर्या बन चुका है। पहले जहां लोग बाजार जाकर सामान खरीदते थे, वहीं अब हर चीज घर के दरवाजे तक पहुंच जाती है। इस बदलाव ने मेहनत को कम जरूर किया है, लेकिन शारीरिक सक्रियता भी लगभग समाप्त कर दी है। नतीजा मोटापा, कमजोर इम्यूनिटी और बीमारियां। इसके साथ ही, लगातार आने वाली सूचनाओं ने हमारे दिमाग को इतना व्यस्त कर दिया है कि हम शांत होकर सोचने की क्षमता खोते जा रहे हैं। हर निर्णय के लिए तकनीक पर निर्भरता हमें आत्मनिर्भर बनाने के बजाय और अधिक असहाय बना रही है। मानसिक स्वास्थ्य के स्तर पर यह समस्या और भी गंभीर रूप ले चुकी है। सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया ने तुलना की ऐसी आदत पैदा कर दी है, जिससे हम हर समय खुद को दूसरों से कमतर आंकने लगते हैं। 'कुछ छूट न जाए' का डर हमें लगातार स्क्रीन से जोड़े रखता है। पहले जहां मनोरंजन का अर्थ किताबें पढ़ना

या दोस्तों के साथ समय बिताना था, वहीं अब अंतहीन स्क्रॉलिंग ही खुशी का माध्यम बन गई है। यह आदत नींद खराब करती है, एकाग्रता घटाती है और अवसाद बढ़ाती है। युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा प्रभावित है क्योंकि वे बचपन से ही इस जाल में फंसे हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि सुविधाओं पर निर्भरता बढ़ने से आत्मसम्मान कम होता है और रिश्ते टूटते जा रहे हैं। तात्कालिक सुख देने वाली ये सुविधाएं दीर्घकालिक शांति को छीन रही हैं, जिससे जीवन का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। सामाजिक संबंधों पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ा है। पहले पड़ोसियों से बातचीत, परिवार के साथ समय बिताना और सच्चे मिलन जीवन का हिस्सा थे। आज वही रिश्ते मोबाइल स्क्रीन में सिमट गए हैं। हम हजारों लोगों से ऑनलाइन जुड़े हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में अकेलापन बढ़ता जा रहा है। बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद कम हो गया है क्योंकि हर कोई अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त है। भावनाओं का आदान-प्रदान अब इमोजी तक सीमित रह गया है। इस दूरी ने रिश्तों की गहराई को कमजोर कर दिया है और एक अदृश्य अकेलेपन को जन्म दिया है, जो धीरे-धीरे मानसिक तनाव का कारण बन रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी सुविधाओं का यह विस्तार हमें भारी पड़ रहा है। हर सुविधा की एक कीमत होती है—चाहे वह सब्सक्रिप्शन हो, डिलीवरी चार्ज हो या लगातार अपग्रेड्स की जरूरत। छोटे-छोटे खर्च मिलकर एक बड़ा आर्थिक बोझ बन जाते हैं। पहले जहां घर का खाना सस्ता और पौष्टिक होता था, वहीं अब बाहर का खाना महंगा और अक्सर अस्वास्थ्यकर होता है।

रामराज्य के आदर्शों से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण संभव : राष्ट्रपति मुर्मु

अयोध्या (हिंस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। उन्होंने कहा कि रामराज्य के आदर्शों के पालन से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण हो सकता है। राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में *श्रीराम यंत्र* की स्थापना के बाद देश की जनता को संबोधित कर रहीं थीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इसी अयोध्या यानी अवधपुरी और आस-पास की लोक-भाषा में संत कवि तुलसीदासजी ने *श्री रामचरितमानस* की रचना की थी। रामचरितमानस में प्रभु श्रीराम सीताजी से कहते हैं कि यद्यपि सबने वैकुंठ का बखान किया है तथा वह वेद पुराणों में वर्णित है, जग-प्रसिद्ध है, लेकिन वैकुंठ भी मुझे अवधपुरी जितना प्रिय नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, संवत्सर 2083 के शुभारंभ के दिन और नवरात्र के प्रथम दिवस पर यहां आकर मैं स्वयं को कृतार्थ अनुभव कर रही हूं। मैं देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतवासियों और रामभक्तों को नव वर्ष की आत्मिक बधाई देती हूं। नवरात्र के अंत में रामनवमी के दिन हम सब प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाएंगे। मैं सभी को *नवमी तिथि, मधुमास पुनीता* यानी रामनवमी के दिन मनाए जाने वाले पावन पर्व की अग्रिम बधाई देती हूं। मुर्मु ने कहा कि इस परम पवित्र स्थल पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमिपूजन, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। प्राण प्रतिष्ठा के मर्मस्पर्शी अवसर पर मैंने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था। उस पत्र में मैंने यह भाव व्यक्त किया था, *यह हम सभी का सौभाग्य है कि हम सब अपने राष्ट्र के पुनरुत्थान के एक नए कालचक्र के शुभारंभ के साक्षी बन रहे हैं।* उन्होंने कहा कि हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से वर्ष 2047 या शायद उससे पहले ही हम उन लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। इक्कीसवीं सदी में हमारे समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना राम-राज्य के वर्णन में प्राप्त होती है। गोस्वामी तुलसीदासजी कहते हैं,नहिं दरिद्र कोउ, दुखी न दीना। नहिं कोउ अबुध, न लच्छन हीना।। यानी राम-राज्य में न कोई दुखी है, न निर्धन है, न परावलंबी है, न बुद्धिहीन है और न ही कोई संस्कारहीन है। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दशक के दौरान 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी की सीमा रेखा से ऊपर लाया गया है तथा ऐसे प्रयास किए गए हैं ताकि वे गरीबी से मुक्त रहें। राम-राज्य का आदर्श आर्थिक समृद्धि और सामाजिक समरसता के उच्चतम मानकों को प्रस्तुत करता है। माता-शबरी से प्रभु श्रीराम का भावपूर्ण मिलन, निषाद-राज से उनका स्नेह-संबंध, युद्ध में कोल-भील-वानर आदि का सहयोग लेना, जटायु, जाम्बवन्त और गिलहरी आदि सभी को सम्मान तथा स्नेह और प्रेरणा देना, ऐसे अनेक प्रसंग एक सर्व-स्पर्शी तथा सर्व-समावेशी जीवन दर्शन को अपनाने का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। आज के संदर्भ में मुझे यह देखकर खुशी होती है कि सामाजिक समावेश तथा आर्थिक न्याय के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं की सुरक्षा के लिए भी बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय लक्ष्य तय किए गए हैं और उन्हें कार्यरूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राम-राज्य के आदर्शों पर चलते हुए हम सब नैतिकता और धर्माचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का आदर्श वाक्य है- रामो विग्रहवान् धर्म- अर्थात प्रभु श्रीराम धर्म के मूर्तिमान स्वरूप हैं। धर्म के व्यापक अर्थ के आधार पर निजी और सामूहिक जीवन को संचालित करके ही हम प्रभु श्रीराम की सच्ची पूजा-अर्चना कर पाएंगे। आज *साकेत* यानी प्रभु श्रीराम की अयोध्या नगरी में हम सब यह संकल्प लें कि भारत माता के गौरव को विश्व समुदाय के शिखर पर ले जाएंगे। प्रभु श्रीराम की कृपा से हमारा यह संकल्प सिद्ध हो। योगी आदित्यनाथ अयोध्या में श्रीराम यंत्र प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बन गया है। यह रामराज्य की आधारशिला भी है। दुनिया में तमाम युद्ध चल रहे हैं, अव्यवस्था, आर्थिक अराजकता, भय-आतंक है और अयोध्याधाम में हम लोग भयमुक्त होकर राष्ट्रपति का अभिवादन करने के साथ ही श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम के सहभागी बनकर रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत इसलिए भारत बना है, क्योंकि इसे ऋषि-मुनियों की तपस्या, अन्नदाता किसानों के परिश्रम, कारीगरों की उद्यमिता और भारत की आस्था ने सदैव *एक भारत-श्रेष्ठ भारत* के रूप में बनाए रखा। श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ जुड़कर न केवल प्रदेशवासी, बल्कि देश-दुनिया के सनातन धर्मावलंबी के मन में भी आनंद की अनुभूति हो रही है।

रातानाडा बस्ती में पुलिस दल पर लाठी और पत्थर से हमला : साउंड बंद कराने पहुंची थी

जोधपुर (हिंस)। शहर के रातानाडा स्थित केसर बाग बस्ती में तेज साउंड बंद कराने पहुंची पुलिस पर बस्ती के युवकों ने लाठी और पत्थर से हमला कर दिया। इसमें सबइंस्पेक्टर सहित दो कांस्टेबल चोटिल हो गए। हमले के दौरान पुलिस की वर्दी भी फट गई। बाद में अतिरिक्त जाब्ता बुलाकर पुलिस ने तीन युवकों को फिलहाल शांतिभंग में पकड़ा और राजकार्य में बाधा का केस बनाया। घटना को लेकर अग्रिम कार्रवाई जारी है। घटना 18 मार्च की अलसुबह होना बताया गया है। रातानाडा पुलिस ने बताया कि 18 मार्च की अलसुबह पुलिस नियंत्रण कक्ष से इत्तिला मिली कि केसरबाग बस्ती में तेज साउंड बज रहा है। इस पर थाने की गश्ती दल सबइंस्पेक्टर शिवदेवराम, कांस्टेबल गोपाराम एवं चालक विकास वहां पहुंचे। साउंड बंद करने की बात की तब वहां मौजूद मनीष उर्फ मोनू पुलिस से उलझा बाद में दो अन्य युवक पंकज और अरूण भी पुलिस से उलझ गए। इन लोगों ने विरोध जताने के साथ पुलिस पर लाठी और पत्थर से हमला करना शुरू कर दिया। इससे सबइंस्पेक्टर शिवदेवराम, कांस्टेबल गोपाराम एवं चालक विकास चोटिल हो गए। धक्काधूम में पुलिस की वर्दी भी फट गई। बाद में पुलिस नियंत्रण कक्ष से अतिरिक्त जाब्ता बुलाया गया। पुलिस ने शोरशराबे के बीच तीन आरोपियों मनीष, पंकज और अरूण को शांतिभंग में गिरफ्तार किए जाने के साथ राजकार्य में बाधा डाले जाने का प्रकरण बनाया। आरोपियों की मुकदमें गिरफ्तारी शेष है।

मुख्यमंत्री ने 207 नवीन बसों को दिखाई हरी झंडी, 700 महिलाओं को हेलमेट वितरण

जयपुर (हिंस)। राजस्थान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को अजमेर रोड स्थित बस टर्मिनल से राज्य पथ परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) की 207 नवीन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों के संचालन से प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आमजन को बेहतर और सुविधाजनक यातायात सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को राजस्थान दिवस एवं हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 30 मार्च 1949 को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों से वृहद् राजस्थान की स्थापना हुई थी। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है, जिसे इस वर्ष 19 मार्च को पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने नवीन बसों का विधिवत पूजन कर शुभारंभ किया। इन 207 बसों में 100 ब्लूलाइन एक्सप्रेस बसें, 79 स्टारलाइन बसें, 28 एसी बसें शामिल हैं।

शाहपुरा का नाम बदलने की उठी मांग, साध्वी सरस्वती का बड़ा बयान

भीलवाड़ा (हिंस)। नवसंवत्सर के पावन अवसर पर धार्मिक उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर शाहपुरा इस बार एक बड़े बयान को लेकर सुर्खियों में आ गया। हिंदू नववर्ष समाजोत्सव समिति द्वारा आयोजित भव्य कलश यात्रा और धर्मसभा के बीच छिंदवाड़ा से पधारी साध्वी सरस्वती ने ऐसा मुद्दा उठाया, जिसने पूरे शहर में चर्चा की लहर दौड़ा दी। हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में आयोजित इस विशाल आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने माहौल को पूरी तरह भगवामय बना दिया। बैंड-बाजों की गूंज, डीजे की धुन और हाथों में लहराते भगवा ध्वजों के बीच निकली कलश यात्रा ने शहर के प्रमुख मार्गों को भक्तिरस में डुबो दिया। हर ओर *जय श्रीराम* के उद्घोष और आस्था का सैलाब उमड़ता नजर आया। इसी मंच से साध्वी सरस्वती ने शाहपुरा के नाम को लेकर बड़ा बयान देते हुए इसे बदलने की मांग कर डाली। उन्होंने कहा कि शाहपुरा नाम में *शाह* शब्द हमारी संस्कृति और परंपरा से मेल नहीं खाता। यह भूमि किसी शाहजहां की नहीं, बल्कि रामभक्तों और धर्मप्रेमियों की पावन धरती है। उनके इस बयान के बाद सभा में मौजूद लोगों के बीच हलचल और चर्चा तेज हो गई। साध्वी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील करते हुए कहा कि शाहपुरा का नाम बदलकर *रामस्नेही नगर* किया जाना चाहिए, जिससे क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान और मजबूत हो सके। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि यहां रामस्नेही संप्रदाय के अनुयायियों की बड़ी संख्या निवास करती है, ऐसे में यह नाम पूरी तरह उपयुक्त और भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ होगा। अपने ओजस्वी संबोधन में साध्वी सरस्वती ने केवल नाम परिवर्तन की मांग तक ही बात सीमित नहीं रखी, बल्कि समाज को जागरूक करने का भी प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल धार्मिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आत्मरक्षा का ज्ञान भी बेहद जरूरी है। विशेष रूप से महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हर माता-बहन को शास्त्र के साथ-साथ शस्त्र का ज्ञान भी होना चाहिए। खाना बनाना आए या न आए, लेकिन तलवार चलाना जरूर आना चाहिए। उन्होंने देश की आंतरिक चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत को सबसे बड़ा खतरा बाहरी शक्तियों से नहीं, बल्कि भीतर छिपे *जयचंदों* से है, जो अपने स्वार्थ के लिए राष्ट्रहित से समझौता कर लेते हैं। ऐसे तत्वों से सावधान रहने का संदेश देते हुए उन्होंने समाज को एकजुट रहने का आह्वान किया। अपने भाषण के दौरान साध्वी ने ऐतिहासिक और धार्मिक मुद्दों को भी छुआ। उन्होंने कहा कि अयोध्या तो अभी केवल झांकी है, मथुरा और काशी बाकी हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें किसी धर्मस्थल से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वे इस बात का विरोध करती हैं कि कई मस्जिदें मंदिरों को तोड़कर बनाई गईं। उन्होंने कहा कि धार्मिक सौहार्द बनाए रखते हुए भी इतिहास की सच्चाइयों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कार्यक्रम की शुरुआत गोमाता पूजन और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। मैदान को तिरंगे और भगवा ध्वजों से सजाया गया था, जो राष्ट्रभक्ति और धर्मभाव का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहा था। इस अवसर पर समाजोत्सव समिति के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद जोशी, ब्रह्माकुमारी संगीता बहन सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमृतसर में नाबालिग समेत छह हथियार तस्कर काबू सात पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर पुलिस ने अपराधी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए अंतर्राष्ट्रीय हथियार तस्करी के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक नाबालिग भी शामिल है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सात अत्याधुनिक पिस्तौल जब्त की हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपियों का संपर्क विदेश में रह रहे एक हैंडलर से था, जो पुर्तगाल से संचालित हो रहा था। इस हैंडलर के माध्यम से हथियार पाकिस्तान से भारत में तस्करी किए जा रहे थे और फिर इन्हें स्थानीय अपराधी तत्वों तक पहुंचाया जा रहा था। डीजीपी ने कहा कि पुलिस इस नेटवर्क को पूरी तरह से बेनकाब करने के लिए जांच में लगी हुई है। हम न सिर्फ इन आरोपियों को गिरफ्तार करेंगे, बल्कि उनके पीछे छिपे सभी लिंक और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को भी उजागर करेंगे।

पंजाबी गायक मनकीरत औलख को जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के प्रसिद्ध गायक मनकीरत औलख को एक बार फिर से जान से मारने की धमकी दी गई है। यह धमकी बंबीहा गैंग के गैंगस्टर लक्की पटियाल की तरफ से दी गई है। लक्की पटियाल का नाम बुधवार को चंडीगढ़ में हुई प्रापर्टी डीलर की हत्या में भी सामने आ चुका है। मनकीरत औलख को धमकी देने वाले ने कहा है कि प्रापर्टी डीलर चरणप्रीत की हत्या के संबंध में कई लोगों को मिर्ची लगी है। यह वही लोग हैं जो इसके साथ क्राइम में पार्टनर हैं और नाजायज तरीके से जमीन पर कब्जा करते हैं। आगे कहा कि अब मनकीरत औलख की बारी है। वह चाहे जितने भी गनमैन ले ले। लेकिन उसका अब नंबर लगना है। वह मोहाली में बैठा रहता है और विदेश की स्टोरी डालता रहता है। बुधवार को सेक्टर 9 में प्रॉपर्टी डीलर चरणप्रीत की 12 गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। इसकी जिम्मेदारी लक्की पटियाल ने ली है।

किसानों ने फूंका पंजाब के मुख्यमंत्री का पुतला

सिरसा (हिंस)। भारतीय किसान एकता (बीकेई) के बैनर तले गुरुवार को किसानों ने सिरसा जिला मुख्यालय पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का पुतला फूंका। इस मौके पर बीकेई प्रधान लखविंद्र सिंह औलख ने कहा कि किसानों-मजदूरों की मांगों को लेकर 401 दिनों से शांतिपूर्ण चले किसान आंदोलन भाग-2 (शंभू व खनौरी बॉर्डर पर) को पंजाब की भगवंत मान सरकार ने केंद्र के इशारे पर 19 मार्च 2025 को उजाडने का काम किया। औलख ने कहा कि लूटा गया सामान आज तक किसानों को वापस नहीं दिया गया है ना ही उसकी भरपाई करवाई गई है। इसलिए आज पंजाब और हरियाणा में भगवंत मान सरकार के खिलाफ विरोध दर्शन करते हुए पुतले फूंके गए। बीकेई द्वारा उपायुक्त को किसानों-मजदूरों की मांगों का मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बीमा कंपनियों द्वारा किसानों के साथ बार-बार हो रही गड़बड़ियों को ठीक करने और मंडियों में फसल बेचने वाले किसानों की बायोमेट्रिक और ट्रैक्टर की फोटो के फरमान को वापस लेने की मांग रखी गई। किसान नेता ने कहा कि अधिकारियों/ कर्मचारियों और व्यापारियों ने पंजीकरण में गड़बड़ियां करके धान घोटाला किया, बाजरा भावांतर योजना में किसानों की लूट की, सीसीआई द्वारा नरमा खरीद में घोटाला किया गया, उन पर कार्रवाई करने की बजाए अब सरकार द्वारा बायोमेट्रिक वाला तुगलकी फरमान सुनाकर सजा किसानों को दी जा रही है, जो कभी सहन नहीं होगी। किसान नेता औलख ने कहा कि क्रॉप कटिंग करते समय गांव को इकाई मानने की बजाय एक किसान को इकाई माना जाए, ताकि खराब हुई फसलों की बीमा क्लेम से भरपाई करवाई जा सके। खरीफ -2025 में भारी बरसात, जलभराव व बाढ़ से सिरसा जिले में बहुत भारी नुकसान हुआ था। हरियाणा सरकार ने जो मुआवजा और बीमा क्लेम जारी किया है, उसमें बहुत सारी अनियमितताएं हैं, कई गांवों का भारी नुकसान हुआ था जिन्हें ना तो मुआवजा मिला है और ना ही बीमा क्लेम। जिला प्रशासन द्वारा बनाई गई जांच कमेटी को सभी सबूत देने के बावजूद भी अभी तक लूट में शामिल अधिकारियों व राईस शेलर मालिकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया गया और ना ही किसानों की भरपाई करवाई गई है। बीटी कॉटन वाले किसान लंबे समय से नरमे की फसल न होने की वजह से आर्थिक तंगी झेल रहे हैं। वर्ष 2006 के बाद बीटी कॉटन में कोई सुधार नहीं किया गया है।

हांसी में गैस सिलेंडर नहीं मिलने पर लोगों ने किया गैस एजेंसी पर हंगामा

हांसी (हिंस)। शहर के श्री काली देवी मंदिर के पास स्थित हनुमान गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं ने गैस सिलेंडर नहीं मिलने पर जमकर हंगामा किया। घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद गैस सिलेंडर नहीं मिलने से नाराज लोगों ने एजेंसी प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। काफी संख्या उपभोक्ता गैस सिलेंडर लेने के लिए गुरुवार सुबह से ही एजेंसी पर पहुंच गए और अपनी बारी का इंतजार करते हुए वे लंबे समय तक लाइन में खड़े रहे। कई घंटों बाद भी सिलेंडर नहीं मिलने पर उनका धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। एजेंसी कार्यालय पर स्थिति बिगड़ती देख एजेंसी संचालक ने पुलिस को बुलाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उपभोक्ताओं को समझाया और उनसे अपील की कि जिन गांवों में होम डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध है, वहां के लोग एजेंसी पर भीड़ न करे। इस अवसर पर ढाणी कुंदनापुर से आए एक उपभोक्ता ने बताया कि उन्होंने काफी समय पहले गैस सिलेंडर लिया था और आज जब दोबारा लेने के लिए सुबह से एजेंसी कार्यालय के बाहर लाइन में खड़े रहने के बावजूद उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिला और बिना सिलेंडर खाली हाथ लौटना पड़ा। एक अन्य उपभोक्ता ने बताया की कि उसे कई दिन पहले सिलेंडर बुक कराने के बावजूद उन्हें आज भी बिना गैस सिलेंडर लौटना पड़ा। इस अवसर जगदीश कॉलोनी निवासी एक बुजुर्ग महिला ने अपनी परेशानी साझा करते हुए बताया कि उनके घर में कई दिनों से गैस खत्म है और वे चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि आज सुबह से लाइन में लगने के बावजूद उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिल पाया। गैस एजेंसी प्रबंधन के अनुसार गुरुवार को 389 गैस सिलेंडर होम डिलीवरी के माध्यम से वितरित किए गए हैं, जबकि एजेंसी पर सिलेंडर लेने वाले करीब 100 सिलेंडरों की पर्चियां काटी गई हैं। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं द्वारा पैनिक बुकिंग के कारण अचानक भीड़ बढ़ गई। इसके अतिरिक्त जिन उपभोक्ताओं की गैस होम डिलीवरी के लिए भेजी गई थी, वे भी एजेंसी पर पहुंच रहे हैं, जिससे अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हुई। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद स्थिति पर काबू पा लिया गया। हालांकि, उपभोक्ताओं में गैस आपूर्ति को लेकर नाराजगी अभी भी बनी हुई है।

योगी सरकार अपराध के बदलते तरीकों पर पांच नई लैब्स से लगाएगी ब्रेक

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपराध के बदलते तरीकों पर रोक लगाने के लिए यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज में पांच नई लैब स्थापित करने का निर्णय लिया है। इन लैब के जरिये इंस्टीट्यूट के छात्र अपराध के विभिन्न स्वरूपों की जांच करने के तरीके सीख सकेंगे। इसके साथ ही यूपी पुलिस के जांबाज भी इन लैब्स से विभिन्न तरीकों से होने वाले अपराधों पर लगाम लगाने के गुण सीख सकेंगे। योगी सरकार इंस्टीट्यूट में क्वांटम कम्प्यूटिंग लैब, चैलेंज्ड ऑडियो-वीडियो लैब, 3-डी प्रिंटिंग लैब, आईटी/ओटी सिक्योरिटी के लिए एससीएडीए लैब और डिजिटल फॉरेंसिक लैब शुरू करेगी। इन लैब्स के शुरू होने से प्रदेश में अपराधों की जांच और साक्ष्य विश्लेषण की क्षमता में बड़ा सुधार होगा। गौरतलब है कि वर्तमान में इंस्टीट्यूट में पांच लैब्स संचालित हैं। इनमें एडवांस्ड साइबर फॉरेंसिक, एडवांस्ड डीएनए प्रोफाइलिंग, एआई-ड्रोन एंड रोबोटिक्स, डॉक्यूमेंटेशन एग्जामिनेशन और इंस्ट्रूमेंटेशन लैब्स शामिल हैं। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा मॉर्डन टेक्नोलॉजी अपनाने पर जोर देते हैं। इसी कड़ी में सीएम योगी की मंशानुरूप इंस्टीट्यूट में पांच नई लैब की स्थापना की तैयारी की जा रही है। इसमें क्वांटम कम्प्यूटिंग लैब के माध्यम से जटिल डाटा एनालिसिस और एन्क्रिप्शन से जुड़े मामलों को तेजी और सटीकता से सुलझाया जा सकेगा। यह लैब साइबर अपराधों की जांच में विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। वहीं, चैलेंज्ड ऑडियो-वीडियो लैब उन मामलों में अहम भूमिका निभाएगी, जहां खराब गुणवत्ता वाले ऑडियो या वीडियो को स्पष्ट कर साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल करना होता है। 3-डी प्रिंटिंग लैब अपराध स्थलों के मॉडल तैयार करने, हथियारों के प्रतिरूप बनाने और घटनाओं के रीक्रिएशन में मदद करेगी। इससे जांच एजेंसियों को केस को बेहतर तरीके से समझने और अदालत में प्रभावी प्रस्तुति देने में सहायता मिलेगी। वहीं, एससीएडीए लैब आईटी और ओटी (ऑपरेशनल टेक्नोलॉजी) सुरक्षा से जुड़े मामलों की जांच के लिए महत्वपूर्ण होगी। खासकर औद्योगिक संस्थानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर होने वाले साइबर हमलों की पड़ताल में अहम भूमिका निभाएगी। इसके अलावा डिजिटल फॉरेंसिक लैब से मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य डिजिटल उपकरणों से डाटा रिकवरी और विश्लेषण की क्षमता बढ़ेगी। इससे साइबर क्राइम, वित्तीय धोखाधड़ी और अन्य तकनीकी अपराधों की जांच और भी प्रभावी हो सकेगी। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में फॉरेंसिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

चैती छठ को लेकर गंगा घाटों का निरीक्षण सुरक्षा व सुविधाओं पर विशेष जोर

बक्सर (हिंस)। चैती छठ पूजा के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी साहिला एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने शहर के विभिन्न गंगा घाटों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल, शौचालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी प्रमुख घाटों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने पर बल दिया। साथ ही, किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई दल की तैनाती और मेडिकल टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समय रहते सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन का लक्ष्य है कि छठ पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न हो।

नवसंवत्सर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रक्सौल का पथ संचलन

पूर्वी चंपारण (हिंस)। नवसंवत्सर के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, रक्सौल द्वारा भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दो सौ से अधिक स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेष में अनुशासित रूप से नगर में संचलन कर वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत नगर के आर्य समाज मंदिर परिसर में स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण से हुई। यहां आद्य सरसंघचालक को नमन एवं भगवा ध्वज के समक्ष वंदन के उपरांत स्वयंसेवक कतारबद्ध होकर पथ संचलन के लिए निकले। संचलन नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुन: आर्य समाज मंदिर पहुंचकर संपन्न हुआ। पथ संचलन के दौरान शहर के विभिन्न मार्गों पर स्वयंसेवकों पर घरों के छतों से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय सामाजिक सद्भाव संयोजक कृष्ण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. हेडगेवार जी ने वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कर हिंदू समाज को संगठित करने का महान कार्य किया, जो आज विश्व स्तर पर एक सशक्त संगठन के रूप में स्थापित है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को अक्षुण्ण रखते हुए राष्ट्र को परम वैभव के शिखर पर ले जाना ही संघ का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में विभाग संचालक सह जिला कार्यवाह दुर्गेश कुमार, जिला प्रचार प्रमुख आशीष अंकित, जिला व्यवस्था प्रमुख विकास कुमार, नगर विस्तारक हिमांशु कुमार, नितेश कुमार (नोटरी पब्लिक) मुख्य शिक्षक, नगर कार्यवाह अमरेन्दम पांडेय, शारीरिक प्रमुख भरत कुमार, रजनीश प्रियदर्शी, अजय कुमार, सुनील कुमार, बैकुंठ बिहारी सिंह, चैतन्य कुमार, मनोज कुमार, सूरज कुमार, सुबोध कुमार, धीरज कुमार, प्रशांत कुमार, राजकुमार गुप्ता एवं हेमंत वर्णवाल सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभक्ति एवं संगठनात्मक संकल्प के साथ हुआ।

एलपीजी के सभी कमर्शियल उपभोक्ताओं को पीएनजी की ओर मोड़ने में जुटी सरकार

नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में ईरान और अमेरिका युद्ध की वजह से लगातार बिगड़ते हालातों के बीच मंगलवार को सरकार ने एक बार फिर से दोहराया है कि देश में पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। तेल रिफाइनरियां अपनी 100प्रतिशत क्षमता के साथ उत्पादन कर रही हैं। वहीं, ये भी साफ किया कि एलपीजी के मामले को लेकर हालात चिंताजनक ही बने हुए हैं। लेकिन किसी भी गैस वितरक के पास कमी या ड्राई आउट की कोई सूचना नहीं है। हालांकि इन सबके बीच केंद्र इस कोशिश में लगा हुआ है कि एलपीजी के सभी कमर्शियल उपभोक्ताओं को पीएनजी की ओर स्थानांतरित कर दिया जाए। क्योंकि यह सभी के लिए लाभकारी साबित होगा। इसी क्रम में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 16 मार्च को एक पत्र लिखकर कहा गया कि पीएनजी से जुड़े पाइपलाइन बिछाने के जितने लंबित आवेदन हैं। उन्हें तत्काल आधार पर मंजूरी दी जाए। साथ ही इस संबंध में आने वाले नए आवेदनों को 24 घंटे में मंजूरी प्रदान की जानी चाहिए।

गेल की बैठक के बाद विभिन्न गैस कंपनियां उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन लेने को लेकर छूट दे रही हैं। बावजूद इन प्रयासों के सिलेंडर की पैनिक बुकिंग का आंकड़ा 70 लाख तक पहुंच गया है। देशवासी घबराएं नहीं, पैनिक बुकिंग से परहेज करते हुए सिलेंडर की बुकिंग आनलाइन ही करें। जिसकी डिलीवरी पहले की तरह आपके घर पर ही जाएगी। ये जानकारी मंगलवार को राजधानी में आयोजित की गई अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता में केंद्रीय पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस मंत्रालय (मार्केटिंग-तेल रिफाइनरी) में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दी है।

दिल्ली में 600, मप्र. में 1800 सिलेंडर जब्त हुए - सुजाता शर्मा ने बताया कि बीते कुछ दिनों में देश में छापेमारी का आंकड़ा 12 हजार पर पहुंच गया है। जिसमें लगभग 15 हजार एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं। दिल्ली में सोमवार को 600 सिलेंडर जब्त किए गए। मध्य-प्रदेश में लगभग 1200 छापे मारे गए और 1800 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। वहीं, उत्तर-प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में लगभग 450 जगहों पर औचक निरीक्षण और छापेमारी हुई है। 10 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। जम्मू-कश्मीर में 564 छापे मारे गए हैं, एफआईआर और गिरफ्तारी भी हुई है। केरल में लगभग 1 हजार छापेमारी और जांच हुई, जिसमें घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर जब्त किए गए हैं। तेल मार्केटिंग कंपनियों की टीमें सतर्क हैं और वो भी छापे मार रही हैं। करीब 2 हजार 500 रिटेल आउटलेट और एलपीजी वितरकों के पास जाकर औचक जांच की गई है।

एलपीजी लेकर पहुंचे 2 जहाज - केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि कतर से होर्मुज जलडमरूमध्य होते हुए 46 हजार 500 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर नंदा देवी जहाज 17 मार्च को सुरक्षित गुजरात पहुंच गया है। ये खाड़ी से सुरक्षित देश पहुंची एलपीजी की दूसरी खेप है। दोनों जहाजों से गैस का वितरण किया जा रहा है। नंदा देवी से मदर शिप से डाटर शिप पर एलपीजी डिस्चार्ज किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान युद्ध का असरः खाद संकट से भारतीय कृषि पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली। ईरान से जुड़े मौजूदा तनाव का असर अब वैश्विक खाद बाजार पर साफ दिखने लगा है, जिसका सीधा प्रभाव भारतीय कृषि पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार होर्मुज में शिपमेंट बाधित होने से सल्फर, यूरिया और फॉस्फेट जैसे प्रमुख रसायनों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे खाद की कीमतों में तेजी आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वैश्विक खाद व्यापार का 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में यदि स्थिति लंबी खिंचती है, तो सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए चिंता इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि मार्च-अप्रैल के बीच खाद आयात का अहम समय होता है, जबकि मई से मक्का की बुवाई शुरू होती है, जो सबसे अधिक खाद पर निर्भर फसल है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्राकृतिक गैस की आपूर्ति घटने से नाइट्रोजन आधारित खादों के उत्पादन पर भी असर पड़ा है। वहीं खाड़ी देशों सऊदी अरब, कतर, ओमान और बहरीन से होने वाले निर्यात में गिरावट से बाजार पर अतिरिक्त दबाव बना है। यदि यह संकट एक महीने से अधिक चलता है, तो भारत में खाद के उपयोग में कमी आ सकती है, जिससे फसल उत्पादन और पैदावार प्रभावित होने का खतरा है। इसके साथ ही अल नीनो जैसी मौसमी परिस्थितियां स्थिति को और गंभीर बना सकती हैं। हालांकि भारत रूस जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आयात बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, लेकिन लंबे समय तक सप्लाई गैप को भर पाना मुश्किल होगा। ऐसे में खाद की बढ़ती कीमतें किसानों की लागत बढ़ाएंगी और मुनाफा घटा सकती हैं।

एशियाई विकास बैंक पाकिस्तान को 10 अरब डालर का वित्तीय समर्थन देगा

इस्लामाबाद। मनीला स्थित एशियाई विकास बैंक (एडीबी) अगले पांच वर्षों में पाकिस्तान को लगभग

10 अरब अमेरिकी डालर का वित्तीय समर्थन देने की योजना बना रहा है। यह सहायता 2026-30 देश साझेदारी रणनीति (सीपीएस 2026-30) का हिस्सा है, जिसे हाल ही में लान्च किया गया। नई सीपीएस का लक्ष्य पाकिस्तान में निजी क्षेत्र-नेतृत्व वाले विकास के माध्यम से टिकाऊ और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देना है। यह तीन प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित होगी- 1. निजी क्षेत्र का सशक्तिकरण- आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा। 2. समावेशन और सशक्तिकरण- गरीब और कमजोर वर्गों के लिए अवसर। 3. लचीलापन और स्थिरता- सामाजिक और आर्थिक प्रणालियों की मजबूती। रणनीति सुशासन, लैंगिक समानता, डिजिटल परिवर्तन और क्षेत्रीय सहयोग जैसे समग्र पहलुओं से मजबूत होगी। एडीबी की पाकिस्तान कंट्री डायरेक्टर ने कहा कि यह योजना संरचनात्मक चुनौतियों को हल करने और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है।

नए फीचर्स के साथ लॉन्च होगी स्कोडा कुशाक फेसलिफ्ट

नई दिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया कंपनी अपनी लोकप्रिय मिड-साइज एसयूवी स्कोडा कुशाक के

फेसलिफ्ट मॉडल की कीमतों का ऐलान 21 मार्च 2026 को करने जा रही है। कंपनी ने जनवरी 2026 में इसके अपडेटेड वर्जन की पहली झलक दिखाई थी। इसके साथ ही देशभर की डीलरशिप पर इसकी प्री-बुकिंग भी पहले से शुरू हो चुकी है। यह एसयूवी भारतीय बाजार में वर्ष 2021 से बिक रही है और अब इसे पहला मिड-साइकिल अपडेट मिलने वाला है। फेसलिफ्ट मॉडल में कुशाक के डिजाइन में कुछ अहम बदलाव किए गए हैं। नई कुशाक का एक्सटीरियर काफी हद तक कंपनी की बड़ी एसयूवी स्कोडा कुशाक से प्रेरित बताया जा रहा है। हालांकि इसका ओवरऑल प्रोफाइल पहले जैसा ही रहेगा, लेकिन फ्रंट हिस्से में बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इसमें नए डिजाइन के हेडलैंप, अपडेटेड फॉग लैंप और ग्रिल के साथ एलईडी डीआरएल एलिमेंट मिलने की संभावना है, जो हेडलैंप को आपस में जोड़ सकता है। इसके अलावा ग्रिल और एयरडैम के डिजाइन में भी हल्का बदलाव किया जा सकता है। नई कुशाक में ब्लैक-आउट एलॉय व्हील्स दिए जाने की उम्मीद है। वहीं पीछे की तरफ पतले टैललैंप और टेलगेट पर कनेक्टेड एलईडी स्ट्रिप जैसे बदलाव देखने को मिल सकते है। इंजन विकल्प की बात करें तो फेसलिफ्टेड कुशाक में मौजूदा पावरट्रेन बरकरार रहने की उम्मीद है। इसमें 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन का विकल्प मिलेगा, जो मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आएगा। नए अपडेट के साथ कंपनी इस एसयूवी को पहले से ज्यादा आधुनिक और प्रतिस्पर्धी बनाने की तैयारी कर रही है।

चौबीस मार्च को खुलेगा अमीर चंद जगदीश कुमार का पब्लिक इश्यू, दो अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

एयरोप्लेन ब्रैंडनेम से बासमती चावल का निर्यात करने वाली कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार ने अपने आईपीओ की लान्चिंग का ऐलान कर दिया है। कंपनी का 440 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा। इस आईपीओ में निवेशक 27 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। वहीं एंकर इन्वेस्टर्स इस आईपीओ में 23 मार्च को बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि एक अप्रैल को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 201 रुपये से लेकर 212 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 70 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लाट यानी 70 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,840 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,92,920 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 910 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,07,54,716 नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 17.50 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ

था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 30.41 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 60.82 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 48.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 1,317.86 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1,551.42 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2,004.03 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 1,024.30 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 667.53 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 777.62 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 784.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 739.74 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस दौरान कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 280.84 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 311.48 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 379.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 440.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 79.69 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 109.66 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए उछल कर 163.65 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 105.76 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

प्रूडेंशियल भारत में आईसीआईसीआई लाइफ से निकलेगा बाहर

नई दिल्ली

ब्रिटेन की प्रूडेंशियल पीएलसी की पूरी स्वामित्व वाली सहायक कंपनी प्रूडेंशियल कारपोरेशन होल्डिंग्स भारत में अपने जीवन बीमा संयुक्त उपक्रम आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस से बाहर निकलने पर विचार कर रही है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में प्रूडेंशियल की हिस्सेदारी 21.93 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक की 50.95 फीसदी है।

कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 85,393 करोड़ रुपए है। सूत्रों के अनुसार प्रूडेंशियल भारती एएक्सए लाइफ इंश्योरेंस में हिस्सेदारी खरीदने के विकल्प पर भी बातचीत कर रहा है। इसके लावा कुछ अन्य विदेशी बीमाकर्ता भी भारती एक्सा लाइफ में निवेश की संभावना तलाश रहे हैं। प्रूडेंशियल ने 2000 के दशक की शुरुआत में भारतीय बीमा बाजार में शुरुआती निवेश किया था और पिछले 25 वर्षों से इस क्षेत्र को बारीकी से समझता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल जीवन बीमा निजी क्षेत्र में तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है, एसबीआई लाइफ और एचडीएफसी लाइफ के बाद। नए व्यवसाय प्रीमियम में वित्त वर्ष 25 में इसकी बाजार हिस्सेदारी 5.7 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 24 की 4.8 फीसदी से बढ़ी है। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में कंपनी ने 19,228.63 करोड़ का प्रीमियम एकत्र किया, जो पिछले साल की समान अवधि से 2.42 फीसदी अधिक है। 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति से भारतीय बीमा बाजार में वैश्विक कंपनियों के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। प्रूडेंशियल ने नवीन तहिलयानी को क्षेत्रीय सीईओ नियुक्त किया है, जो भारत, अफ्रीका, फिलीपींस और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में कंपनी के कारोबार की देखरेख करते हैं। कंपनी ने कहा कि वह बाजार की अफवाहों पर टिप्पणी नहीं करती है।

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील भारत में शुरू करेगी नई इस्पात परियोजना

अमरावती। आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया आंध्र प्रदेश में अपने प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र का काम अगले सप्ताह से शुरू करेगी। यह आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील का संयुक्त उद्यम है। पहले चरण में कंपनी लगभग 70,000 करोड़ रुपए का निवेश कर विशाखापत्तनम के पास 82 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाला संयंत्र स्थापित करेगी। आंध्र प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के लिए लगभग 2,200 एकड़ भूमि आवंटित की है और त्वरित मंजूरी एवं अवसंरचना सहायता प्रदान की है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार यह परियोजना राज्य और उद्योग के बीच मजबूत समन्वय को दर्शाती है। इससे भारत के पूर्वी और दक्षिणी बाजारों तक बेहतर सेवा देने में मदद मिलेगी। इस संयंत्र से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, रोजगार सृजन और भारत की इस्पात आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

हाजिर चांदी के भाव में बड़ी गिरावट, कीमत में आई 15 हजार रुपये से अधिक की कमजोरी

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी के भाव में जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। चांदी ने दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक टूट कर कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार में इस चमकीली धातु की कीमत की कमजोरी और बढ़ती चली गई। दोपहर बारह बजे तक कारोबार होने के बाद चांदी के भाव में बुधवार के मुकाबले 15,100 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी गिरावट आ चुकी थी। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 2,59,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 15,100 रुपये प्रति किलोग्राम फिसल गई, जिसके कारण ये चमकीली धातु 2,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,59,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। बेंगलुरु में चांदी 2,60,300 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,59,900 प्रति किलोग्राम के

स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 14,900 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी के साथ 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु 15,000 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती होकर 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर दुनिया भर के बाजारों पर पड़ रहा है। इस तनाव के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ ही घरेलू सर्राफा बाजार तक सोना और चांदी दोनों ही चमकीली धातुओं की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है। आम तौर पर युद्ध या तनाव के दौरान सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के रूप में निवेशक सोने और चांदी में अपना निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसा होने पर इन दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में आमतौर पर तेजी का रुख बन जाता है, लेकिन फिलहाल डालर की मजबूती और बढ़ते बान्ड यील्ड के कारण सोना और चांदी के प्रति निवेशकों के रुझान में कमी आई है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार भी बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने की कोशिश शुरू हो जाने के कारण पिछले सत्र के दौरान पूरी दुनिया के बाजार की तरह ही अमेरिकी बाजार में भी अफरा तफरी का माहौल बना रहा। इसके साथ ही अमेरिका में थोक महंगाई दर में बढ़ोतरी होने की वजह से भी मार्केट सेंटीमेंट्स पर निगेटिव असर पड़ा, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स 750 अंक से अधिक की कमजोरी का शिकार हो गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 91.38

अंक यानी 1.36 प्रतिशत टूट कर 6,624.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 327.11 अंक यानी 1.46 प्रतिशत फिसल कर 22,152.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर फिलहाल 111.76 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,336.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 98.31 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,305.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 228.67 अंक यानी 0.97 प्रतिशत लुढ़क कर 23,502.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा सीएसी इंडेक्स 0.06 प्रतिशत टूट कर 7,969.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार भी दबाव में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि इंडोनेशिया स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण दुनिया भर के बजार में बने घबराहट के माहौल के कारण एशिया के किसी भी स्टाक एक्सचेंज में मजबूती नजर नहीं आ रही है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 487 अंक यानी 2.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,313 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 456.42 अंक यानी 1.75 प्रतिशत फिसल कर 25,569 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1,584.40 अंक यानी 2.87 प्रतिशत टूट कर 53,655 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 92.02 अंक यानी 1.55 प्रतिशत लुढ़क कर 5,833.01 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 409.15 अंक यानी 1.19 प्रतिशत फिसल कर 33,939.43 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.95 प्रतिशत टूट कर 4,024.23 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,984.83 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,437.66 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

राजस्थान रायल्स पर लगी है कई हजार करोड़ की बोली

मुम्बई

28 मार्च से जहां आईपीएल 2026 के मुकाबले शुरु हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर दो प्रमुख टीमों के मालिकाना अधिकार में बदलाव आने वाला है। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अलावा राजस्थान रायल्स भी बिकने के लिए तैयार है। इन दौनो ही फ्रैंचाइजी के लिए कई हजार करोड़ की बोलियां लगी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रायल्स का खरीदने के लिए कम से कम तीन बड़े निवेशकों ने बोली लगायी है। इसमें आदित्य बिड़ला समूह ने अमेरिकी निवेशक डेविड ब्लिटजर के साथ मिलकर बड़ी बोली लगाई है। रायल्स की ओर से शुरुआत में कुछ शेयर बेचने की बातें कही जा रही थीं पर अब पूरी फ्रेंचाइज़ी को ही बेचने की बात कही जा रही है। राजस्थान रायल्स की बाजार कीमत इस समय 1.1 से 1.35 अरब डालर (करीब 9,000 से 12,000 करोड़ रुपये) है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम पर करीब 11,956 करोड़ रुपये की बोली लग गयी है जिससे ये आईपीएल का सबसे महंगा सौदा भी हो सकता है। अभी टीम का मालिकाना अधिकार तीन भागों में बंटा है। इसमें इमर्जिंग मीडिया लिमिटेड के पास 65 फीस दी हिस्सेदारी है, रेडबर्ड कैपिटल्स के पास 15 फीसदी और लचलानप मर्डोक के पास 13 फीसदी शेयर हैं। वहीं बची हुई हिस्सेदारी अन्य निवेशकों के पास है, ऐसे में पूरी फ्रेंचाइज़ी की बिक्री के लिए सभी निवेशकों से मंजूरी लेनी होगी। रायल्स को खरीदने के लिए आदित्य बिड़ला समूह के अलावा कई अन्य कारोबारी समूह भी हैं।

आईपीएल में अभिषेक बना सकते हैं कई रिकार्ड

नई दिल्ली। युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है और इसी दिन अभिषेक सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से अपने पहले मुकाबले में उतरेंगे। अभिषेक इस बार चार छक्के लगाते ही अपने छक्कों का शतक पूरा कर सकते हैं। उनके नाक अब तक 96 छक्के हैं। चार छक्के और लगाते ही वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। अब तक केवल डेविड वार्नर के नाम ही आईपीएल में 100 छक्के हैं। वार्नर ने कुल 143 छक्के लगाये हैं। वहीं हेनरिक क्लासेन 88 छक्के के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अभिषेक के पास इस सत्र में अपने 2000 रन पूरे करने का भी अवसर है। अभिषेक ने अब तक 77 आईपीएल मैचों की 73 पारियों में 1816 रन बनाये हैं। ऐसे में वह 184 रन बनाते है वह इस टूर्नामेंट में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो जाएंगे। अभिषेक ने सनराइजर्स के लिए अब तक 1753 रन बनाए हैं। वह 2,000 रन करते ही सनराइजर्स के लिए ये उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज बन जाएंगे। इससे पहले डेविड वार्नर ने 4014, शिखर धवन ने 2768) और केन विलियमसन ने 2101 रन बनाये हैं। अभिषेक ने पिछले दो सत्र में हर बार 400 रन बनाये हैं। आईपीएल 2024 में उन्होंने 204.21 के स्ट्राइक रेट से 484 रन, वहीं, पिछले सत्र में 193.39 के स्ट्राइक रेट से 439 रन बनाए थे। ये भी एक रिकार्ड है क्योंकि अबतक किसी भी अन्य बल्लेबाज ने 190 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 400 से अधिक रन नहीं बनाये हैं। अभिषेक आईपीएल इस बार भी 400 से अधिक रन बनाने में सफल रहे तो ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन सकते हैं। अभिषेक ने पिछले सत्र में पंजाब किंग्स के खिलाफ केवल 55 गेंदों में 141 रन बनाए थे। ये इस लीग में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे अधिक स्कोर है।

न्यूज ब्रीफ

यमुनानगर के खिलाड़ी अंकित ने थाईलैंड में जीता स्वर्ण पदक

यमुनानगर। यमुनानगर के खंड रादौर के गांव इस्माइलपुर के खिलाड़ी अंकित ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बाल बैडमिंटन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। थाईलैंड में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है। प्रतियोगिता के दौरान भारत और मेजबान थाईलैंड के बीच खेले गए मुकाबलों में भारतीय टीम ने प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन करते हुए सभी मैच अपने पक्ष में किए। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों ने संतुलित और सशक्त प्रदर्शन कर जीत सुनिश्चित की। उपलब्धि के बाद गांव में खिलाड़ी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। क्षेत्र के लोगों ने उन्हें सम्मानित कर उनकी सफलता पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल करना अन्य युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। खिलाड़ी ने अपनी सफलता का श्रेय चयन प्रक्रिया, निरंतर अभ्यास और मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर हुए ट्रायल के आधार पर टीम में चयन हुआ, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है, जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच मिल सके। उन्होंने सरकार से खेल ढांचे को मजबूत करने, प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने और योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति की मांग की है। साथ ही युवाओं को संदेश दिया कि शिक्षा के साथ खेलों में भागीदारी भी जीवन के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। अंकित के परिजनों ने बताया कि प्रारंभिक अवस्था से ही अंकित की खेलों में विशेष रुचि रही, जिसे उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिला। अब वह भविष्य में भी खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है ।

आईपीएल 2026: जान मूनी दिल्ली कैपिटल्स के फील्डिंग कोच नियुक्त

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले अपनी कैचिंग टीम को और मजबूत किया है। फ्रेंचाइजी ने आयरलैंड के पूर्व आलराउंडर खिलाड़ी जान मूनी को फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, दिल्ली के डिफेंस में आयरिश स्टील का तड़का। स्वागत है, जान मूनी। क्रिकबज के अनुसार मूनी, एंटोन राक्स और ज्ञानेश्वर राव की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में यह भूमिका निभाई थी। 44 वर्षीय मूनी पहले वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के साथ काम कर चुके हैं। वह मुख्य कोच हेमांग बदानी के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए हैं, जिसमें इयान बेल सहायक कोच, मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच और वेणुगोपाल राव डायरेक्टर आफ क्रिकेट हैं। मूनी ने आयरलैंड के लिए 64 वनडे और 27 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस दौरान वनडे में 963 रन और टी-20 में 231 रन बनाए। इस खिलाड़ी के नाम वनडे में 47 और टी20 में 10 विकेट दर्ज हैं। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 में अपने अभियान का आगाज एक अप्रैल को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करेगी। दिल्ली अब तक कोई भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है।

दिनेश कार्तिक के घर गूंजी किलकारी, पत्नी दीपिका ने दिया बेटी को जन्म

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्रि पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के घर लक्ष्मी का आगमन हुआ है। पत्नी दीपिका पल्लीकल ने बेटी को जन्म दिया है। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये खुशखबरी प्रशंसकों साथ साझा की है। इसमें कार्तिक ने अब अपनी नन्ही बेटी के नाम का भी खुलासा किया है। दिनेश कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर टेक्स्ट इमेज शेयर किया, जिसमें लिखा था, हमारे दिल में आशीर्वाद और शब्दों से परे कृतज्ञता के साथ, हम खुशी-खुशी अपनी प्यारी बेटी का दुनिया में स्वागत करते हैं। कबीर और जियान अपनी नन्ही बहन से मिलने के लिए उत्साहित हैं। राहा पल्लिकल कार्तिक, प्यार दीपिका और दिनेश। दीपिका पल्लीकल दिनेश कार्तिक की दूसरी पत्नी हैं। पहली पत्नी से तलाक से बाद साल 2015 में कार्तिक ने स्क्वैश खिलाड़ी दीपिका पल्लिकल से शादी रचाई थी। दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में अच्छे खिलाड़ी रहे हैं। कपल तीसरे बच्चे के माता-पिता बने हैं। दंपति के पहले से ही दो बेटे हैं, कबीर और जियान।

चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में पहुंची बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख

मैड्रिड

स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने इंग्लैंड के न्यूकैसल यूनाइटेड को 7-2 से जबकि बायर्न म्यूनिख ने एलियांज एरिना में अटलांटा को 4-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबाल के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इस मुकाबले में बार्सिलोना दूसरे हाफ में पूरी तरह हावी रही। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले हाफ में ही पांच गोल हुए। बार्सिलोना की ओर से मैच के छठे मिनट में ही राफिन्हा के गोल से बढ़त मिल गयी। इसके बाद न्यूकैसल की ओर से एंथनी एलंगा ने गोल दागकर कर स्कोर बराबरी पर ला दिया।

फर्मिन लोपेज और मार्क बर्नल की सहायता से बार्सिलोना ने फिर बढ़त हासिल की, पर एलंगा ने न्यूकैसल की ओर से एक गोल कर अपनी टीम को मुकाबले में बनाये रखा। पहले हाफ लामिन यामल के गोल से बार्सिलोना को 3-2 की बढ़त दिलाई। वहीं दूसरे हाफ में राबर्ट लेवांडोव्स्की ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जबकि फर्मिन लोपेज ने भी एक और गोल किया।मैच के अंतिम चरण में राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल कर स्कोर 7-2 कर दिया और बार्सिलोना को जीत दिला दी। वहीं एक अन्य मुकाबले में बायर्न म्यूनिख ने एलियांज एरिना में अटलांटा को 4-1 से हराया। अब क्वार्टरफाइनल में उसका सामना रियल मैड्रिड से होगा। बायर्न की जीत में हैरी केन की मुख्य भूमिका रही। हेन ने 2 गोल कर अपने करियर के 50 गोल पूरे किए। मैच के 25वें मिनट में हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल दागकर टीम को 1-0 से बढ़त दियालया। दूसरी हाफ के 54वें मिनट में केन ने एक और गोल कर बढ़त दोगुनी की। इसके बाद लेनार्ट कार्ल ओर लुइस डियाज ने गोल दागे। 85वें मिनट में अटलांटा की तरफ से लजार वुजादिन समार्डजिक ने हेडर कर गोल किया पर तब तक काफी देर हो गयी थी।

हम फीफा विश्वकप खेलने तैयार पर अमेरिका नहीं जाएंगे : ईरान फुटबाल संघ

तेहरान। ईरान फुटबाल संघ ने कहा है कि वह फीफा विश्व कप 2026 का नहीं बल्कि अमेरिका का बहिष्कार करने जा रहा है। इसलिए विश्वकप में अमेरिका में होने वाले उसके मैचों को अन्य जगहों पर स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिये। ईरान के फुटबाल संघ के प्रमुख मेहदी ताज ने कहा कि टीम टूर्नामेंट की तैयारियों को जारी रखेगी हालांकि टीम अमेरिका खेलने नहीं जाएगी। फुटबाल विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से आयोजित किया जा रहा है। अमेरिका के साथ जारी संघर्ष को देखते हुए ईरान की टीम सुरक्षा कारणों से अमेरिका नहीं जाना चाहत है। इसलिए उसने अमेरिका में अपने प्रस्तावित मैच खेलने से इनकार कर दिया है। ताज ने कहा, नेशनल टीम तुर्की में ट्रेनिंग कैंप लगाएगी और वहां दो मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगी। हम अमेरिका का बहिष्कार करेंगे पर विश्व कप का नहीं। ताज का यह बयान ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान विश्व कप में भाग नहीं लेगा। ईरान की पुरुष टीम को जून में अमेरिका में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ मैच खेलने हैं। वहीं मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने ईरान के अमेरिका में विश्व कप मैचों के बहिष्कार पर कहा कि इस मामले में अंतिम फैसला फीफा करेगा। वहीं फीफा ने भी कहा है कि वे ईरान फुटबाल फेडरेशन के संपर्क में हैं और चाहते है कि सभी टीमें अपने तय कार्यक्रम के अनुसार टूर्नामेंट में शामिल। ऐसे में फीफा ईरान के मैच किसी अन्य जग पर स्थानांतरित करे इसकी संभावना कम ही नजर आती है।

विराट कोहली आईपीएल के लिए तैयार, आरसीबी से जुड़कर शुरू की प्रैक्टिस

बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए तैयार हैं। वह अपनी टीम रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से जुड़ चुके हैं और प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। इस बीच कोहली का एक वीडियो सामने आया है, जिसने प्रसंशकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है।

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में कोहली ने कहा, हर बार जब मैं ये जर्सी (आरसीबी) पहनता हूं, तो मैं पूरी तरह अपने आप को झोंक देता हूं। मैं एक और स्पेशल चेज के लिए तैयार हूं।

फ्रेंचाइजी ने वीडियो को शेयर करते हुए संदेश दिया कि कोहली अपने घर बेंगलुरु लौट आए हैं और एक और नई कहानी लिखने के लिए तैयार हैं। आरसीबी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, वक्त गुजरा, सीजन बदले, लेकिन यह शहर अब भी उसका है। यह सिंहासन अब भी उसका है। एकमात्र सच्चे राजा के लिए हमारा प्यार, हर गुजरते दिन के साथ और भी मजबूत होता जा रहा है। हमारे विराट कोहली वापस वहीं लौट रहे हैं, जहां के वे हैं- अपने घर, बेंगलुरु- एक नई कहानी लिखने के लिए। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है। गत चैम्पियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इस सीजन का ओपनिंग मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीबी का लक्ष्य खिताब का बचाव करना और इतिहास दोहराना होगा। विराट कोहली ने पिछले सीजन में 15 पारियों में 54.75 के औसत और 144.71 के स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे।

पंड्या ने खरीदी नई फरारी , गर्लफ्रेंड माहिका आरती उतारती दिखीं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी आलराउंडर हार्दिक पंड्या ने नई फरारी कार खरीदी है। इसी की आरती उतारते हुए उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा नजर आयी हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर छाए हुआ है। ये नई कार फरारी 12 सिलिड्री है। इसमें वह माहिका के साथ घूमते भी दिखे थे। सोशल मीडिया पर आये वीडियो में माहिकाको नई कार की पारंपरिक पूजा करते हुए देखा गया। इस दौरान एक पुजारी भी वहां था। इसका एक वीडियो भी पंड्या ने साझा किया है। इसमें हार्दिक कार के अंदर से वीडियो बनाते दिखे, जबकि माहिका पूजा करती दिखीं। माहिका ने इस नई कार की पूजा करते हुए कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। हार्दिक विलासिता पूर्ण जीवनशैली लिए जाने जाते हैं। महंगी घड़ियां और गाड़ियां उन्हें बेहद पसंद है। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद की सबसे नई फ्रंट-इंजन वी12 ग्रैंड टूरर, फरारी को खरीदा। ये माडल हाल ही में भारत में हाल ही में लांच किया गया था। इसकी कीमत करीब 8.50 करोड़ रुपये से शुरु होती है।

नाइट राइडर्स ग्रुप ने कैलिफोर्निया में अपने घरेलू क्रिकेट मैदान का अनावरण किया

लास एंजिल्स

नाइट राइडर्स ग्रुप ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 2026 के लिए अपने आधिकारिक घरेलू मैदान की घोषणा की है। यह नाइट राइडर्स क्रिकेट फील्ड कैलिफोर्निया के पोमोना स्थित फेयरप्लेक्स में है। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) टीम लास एंजिल्स नाइट राइडर्स (एलएकेआर) अपने एमएलसी 2026 के कुछ मैच इसी मैदान पर खेलेगी।

नाइट राइडर्स ग्रुप दक्षिणी कैलिफोर्निया में अपना क्रिकेट मैदान स्थापित करके इस क्षेत्र को अमेरिका में क्रिकेट के भावी केंद्र के रूप में बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। यह नया मैदान प्रशंसकों को विश्व स्तरीय क्रिकेट सुविधाओं के बीच दुनिया के कुछ सबसे रोमांचक खिलाड़ियों के उच्चतम गुणवत्ता वाले पेशेवर क्रिकेट का लाइव अनुभव कराएगा।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के सह-मालिक शाहरुख खान ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नाइट राइडर्स एक वैश्विक परिवार के रूप में विकसित हुआ है और हर नई उपलब्धि हमारे लिए खास है। लास एंजिल्स नाइट राइडर्स (एलएकेआर) को नाइट राइडर्स क्रिकेट के रूप में अपना खुद का मैदान मिलते देखना बेहद रोमांचक है। अमेरिका एक बड़ा खेल बाजार है, जहां उत्साही प्रशंसक हैं और हम आशा करते हैं कि यह मैदान एक ऐसा स्थान बनेगा, जहां लोग खेल का जश्न मनाने और टीम का समर्थन करने के लिए एक साथ आएंगे। मैं लास एंजिल्स में नाइट राइडर्स के इस नए अध्याय के लिए बहुत उत्सुक हूं। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा कि लास एंजिल्स दुनिया के सबसे गतिशील खेल बाजारों में से एक है और नाइट राइडर्स ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। फेयरप्लेक्स के साथ साझेदारी में नाइट राइडर्स क्रिकेट फील्ड की स्थापना हमारी फ्रेंचाइजी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और हम अमेरिका में क्रिकेट को स्थापित करने और इस खेल को आगे बढ़ाने के लिए फेयरप्लेक्स के साथ दीर्घकालिक साझेदारी की आशा करते हैं। फेयरप्लेक्स के अध्यक्ष और सीईओ वाल्टर एम. मार्केज ने कहा कि यह संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हम अपने परिसर में दुनिया के सबसे बड़े खेलों में से एक क्रिकेट को प्रस्तुत करने के लिए नाइट राइडर्स के साथ साझेदारी करने को लेकर उत्साहित हैं।

एमएलसी के तीन सीजन में एलएकेआर अभी तक एक भी खिताब जीतने में नाकाम रही है।

आईपीएल में पहली बार सभी टीम की कप्तानी करेंगे भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के शुरुआती मैचों के लिए ईशान किशन को सनराइजर्स हैदराबाद का कप्तान बनाये जाने के साथ ही अब लीग की सभी दस टीमों की कप्तानी भारतीय खिलाड़ी ही संभालेंगे। ये पहली बार होगा कि सभी टीमों के कप्तान भारतीय रहेंगे। इससे पहले टूर्नामेंट के इतिहास में कभी भी ऐसा नहीं हुआ था। पिछले दो सत्र की बात करें तो साल 2024 में दो विदेशी खिलाड़ी फाफ डुप्लेसिस और पैट कमिंस रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान रहे थे। वहीं साल 2025 में पैट कमिंस एकमात्र विदेशी कप्तान थे। वहीं इस बार कमिंस चोटिल होने के कारण शुरुआती सत्र से बाहर है तो सनराइजर्स ने ईशान को कप्तान बना दिया है।

आईपीएल 2026 की 10 टीमों के कप्तान-

- रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु- रजत पाटीदार
- पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर
- मुंबई इंडियंस- हार्दिक पांड्या
- चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड़
- कोलकाता नाइट राइडर्स- अजिंक्य रहाणे
- लखनऊ सुपर जाएंट्स- ऋषभ पंत
- राजस्थान रायल्स- रियान पराग
- गुजरात टाइटंस- शुभमन गिल
- दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल
- सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन।

रिंकू और प्रिया की शादी फिलहाल टाल दी गयी है, समय आने पर दोनो परिवार मिलकर तारीख तय करेंगे : तूफानी सरोज

लखनऊ। क्रिकेटर रिंकू सिंह और उनकी मंगेतर सपा सांसद प्रिया सरोज की शादी लगातार टलती जा रही है। इन दोनो की सगाई पिछले साल हुई थी ओर शादी भी तय थी पर रिंकू के क्रिकेट में व्यस्त होने के कारण उसे आगे बढ़ा दिया गया था। दोनो की शादी इसी साल होनी थी पर नियति को कुछ और ही मंजूर था। रिंकू के पिता की अचानक ही कैंसर से मौत हो गयी जिससे एक बार फिर शादी टल गयी है। ऐसे में इस जोड़ी की शादी कब होगी। इसको लेकर संशय जारी है। इसी को लेकर अब प्रिया के पिता और सपा विधायक तूफानी सरोज सामने आये हैं। तूफानी सरोज ने कहा कि रिंकू के पिता का हाल ही में निधन हुआ है जिससे परिवार में शोक का माहौर है ऐसे में शादी टाल दी गयी है। जब सभी लोग कठिन समय से उबर जाएंगे तक आपस में बात कर शादी का फैसला होगा। दोनों परिवारों को अभी शादी की कोई जल्दबाजी नहीं है। कुछ समय बीत जाने के बाद दोनों परिवार बैठकर शादी की तारीख पर बात करेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि रिंकू का परिवार जब चाहे तब शादी तय कर सकता है, उनकी तरफ से शादी की सारी तैयारियां पूरी है और परिवार इस रिश्ते को लेकर खुश है। उन्होंने हालांकि कहा कि वह चाहते हैं कि शादी 2026 में ही हो जाए क्योंकि साल 2027 में उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं जिससे परिवार उसमें व्यस्त हो जाएगा। इसलिए परिवार चाहेगा कि चुनाव में व्यस्त होने से पहले शादी हो तो अच्छा रहेगा पर अंतिम फैसला दोनों परिवार की रजामंदी और सही समय देखकर ही लिया जाएगा।

डरावनी राइड्स का मजा...

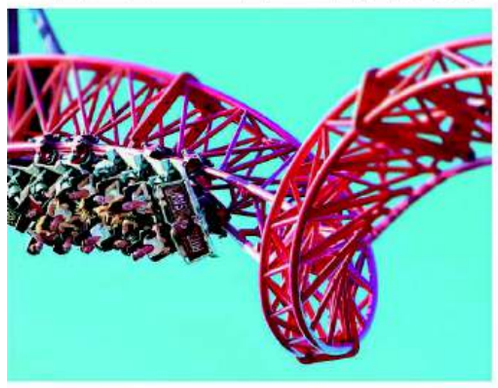

आज हम आपको दुनिया की कुछ ऐसी डरावनी राइड्स के बारे में बताएंगे, जिनमें आप इन राइड्स का मजा पलक झपकते ही कुछ सेकंडों में ले सकते हैं। दुनिया भर में मशहूर इन राइड्स को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल किया गया हैं। तो आइए जानते हैं यह राइड्स किन-किन देशों में हैं और कितनी डरावनी हैं।

एक्स 2 सिक्स

लांस एंजेल्स का राइड एक्स 2 सिक्स फ्लैग्स मैगिक माउंटेन बिल्कुल 4डी राइड जैसा ही है। इसकी सीटें आगे-पीछे होती है और खुद ही घूमती जाती हैं।

फॉर्मूला रोशा

आबू-धाबी में बनी फॉर्मूला रोशा राइड दुनिया के सबसे तेज रोलर कोस्टर में शामिल है। इसकी स्पीड 240 किमी/घंटा होती है जिसके कारण इसकी 1 राइड लेने के लिए सिर्फ 5 सेकेंड लगते हैं। इस राइड को लेने के लिए चश्मे और हेलमेट लेकर ही इसमें बैठा जा सकता है।

टावर ऑफ टेरर

ऑस्ट्रेलिया में 100 फीट की ऊंचाई पर बना हैं टावर ऑफ टेरर। इस राइड की स्पीड 161 किमी/घंटे होने की वजह से नीचे आने के लिए सिर्फ 7 सेकेड लगते हैं। लोग इसकी राइड लेते समय बहुत ज्यादा चीखते-चिल्लाते हैं।

लीप ऑफ फेथ

बहामास में बने इस लीप ऑफ फेथ में स्वीमिंग करने के लिए एक ट्यूब में नीले रंग का पानी और आसपास शॉर्क देखने को मिलती है। इस ट्यूब में स्वीमिंग करते हुए इन शॉर्क को देखने पर डर लगता हैं।

रकैड टावर

डेनमार्क में बनी 100 फीट की ऊंचाई पर इस राइड को लेना बहुत ही डरावना हो सकता हैं। इस राइड के नीचे आने की स्पीड 88 किमी/घंटा हैं। इस राइड के नीचे डर को थोड़ा कम करने के लिए नेट लगाया गया है।

फॉरेनहाइट एट हर्शेपार्क

पेनसिलवेनिया 121 फीट ऊंचाई से इस फॉरेनहाइट एट हर्शेपार्क राइड लेते समय 97 डिग्री नीचे तक आया जाता है। इसे लेने के लिए सिर्फ 1 मिनट और उससे भी कम वक्त लगता है।

इनसैनिटी अटॉप

लॉस वेगास में इनसैनिटी अटॉप द स्ट्रैटोस्फीयर टावर राइड को लेने के लिए आपको 900 फीट की ऊचांई पर एक मैकेनिकल सीट पर बैठना होता है। इस राइड को लेने से आपको हवा में लटकने जैसा अहसास होता है।

घर की खुशबू...

घर की सुगंध से वहां रहने वालों के रिश्तों, व्यवहार, स्वभाव, आदतों व कलात्मक अभिरुचियों का पता चलता है। शोधों से पता चलता है कि खुशबू का व्यक्ति के व्यवहार व भावनाओं से सीधा संबंध है। सही खुशबू का चयन न सिर्फ डेकोरेशन के लिए जरूरी है, बल्कि इससे मन में सुकून भी रहता है।

इंसान के मन से सुगंध का नाता बडा पुराना है। कभी कोई सुगंध एकाएक अतीत में पहुंचा कर नॉस्टेल्जिक बना देती है, तो कोई मन में आशा-उत्साह का संचार करती है। जिस तरह मन व शरीर की सेहत के लिए अरोमाथेरेपी की जरूरत है, उसी तरह घर की सेहत के लिए भी यह जरूरी है। घर की सुगंध से वहां रहने वालों के रिश्तों, व्यवहार, स्वभाव, आदतों व कलात्मक अभिरुचियों का पता चलता है। शोधों से पता चलता है कि खुशबू का व्यक्ति के व्यवहार व भावनाओं से सीधा संबंध है। सही खुशबू का चयन न सिर्फ डेकोरेशन के लिए जरूरी है, बल्कि इससे मन में सुकून भी रहता है। पहले हर घर में सुबह-शाम अगरबत्तियां जलाई जाती थीं या ताजे फूल सजाए जाते थे। मगर अब घर को सुगंधित रखने के कई तरीके हैं। सारे एसेंशियल ऑयल या फ्रेग्रेंस परफ्यूम पर आधारित हैं। 100 फीसद शुद्ध खुशबू मिलना मुश्किल है, क्योंकि बाजार में एक किलोग्राम जैस्मिन का मूल्य करीब एक लाख रुपए है। लिहाजा एसेंशियल ऑयल में नॉन-टॉक्सिक अरोमा मिलाकर एक कॉम्बो तैयार किया जाता है, जिसमें इंटरनेशनल गाइडलाइंस फॉलो की जाती हैं, ताकि फ्रेग्रेंस में कोईटॉक्सिक तत्व न मिलाया जा सके। रीड डिफ्यूजर्स, फ्रेग्रेंस वेपोराइजर्स और पोपोरीज भी मेंटेनेंस-फ्री अरोमेटिक अनुभव देते हैं।

कैंडल्स का जादू

अरोमा कैंडल्स बहुत लोकप्रिय हैं। इनसे कमरे को सॉफ्ट, रोमैंटिक माहौल मिलता है। डेकोरेशन और लाइट के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है। मगर कैंडल्स लेने से पहले इनके इंग्रीडिएंट्स, साइज व शेप पर भी ध्यान देना चाहिए। पैराफिन वैक्स कैंडल्स सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। मगर ये जल्दी खत्म हो जाती हैं, जबकि बीज्वैक्स कैंडल्स देर तक जलती हैं। ये पैराफिन से महंगी होती हैं। माना जाता है कि ये एलर्जी की प्रॉब्लम में भी फायेदमंद है। पिलर कैंडल्स कॉमन हैं, जिन्हें होल्डर्स में फिट किया जा सकता है। ये अलग-अलग हाइट, कलर्स व खुशबू में मिलती हैं। कैंडल स्टिक्स प्रचलित हैं, लेकिन इन्हें होल्डर में नहीं लगाया जा सकता। टी लाइट्स छोटी होती हैं। इन्हें डेकोरेटिव कैंडल्स, फूड वार्मर्स या वोटिव होल्डर्स में इस्तेमाल किया जाता है। फ्लोटिंग कैंडल्स को पानी से भरे कंटेनर्स में रखा जाता है। फिल्ड कैंडल्स सरैमिक कंटेनर या हीट रेजिस्टेंट ग्लास में रखी जा सकती हैं।

खुशबू का चुनाव

घर में हर कमरे का अलग महत्व है। इसी के हिसाब से खुशबू चुननी चाहिए। बिना सोचे-समझे फ्रेग्रेंस के इस्तेमाल से समस्याएं हो सकती हैं। लिविंग रूम वह कॉमन एरिया है, जहां पूरा परिवार एक साथ बैठता है या मेहमानों का स्वागत करता है। यहां सिट्रस, टीकवुड, एपल, सिनमन, लाइट फ्लोरल अरोमा इस्तेमाल करें। हेवी फ्रेग्रेंस यहां अच्छी नहीं लगती। छुट्टियों में पाइन या होली सेंट्स सही हैं। कैंडल्स लेने से पहले देखें कि क्या ये लिविंग रूम की कलर स्कीम से मैच करते हैं। बेडरूम में दिन भर की थकान के बाद व्यक्ति चैन की नींद लेना चाहता है। यहां शांत-सौम्य गंध अच्छी लगती है। अरोमाथेरेपी सेंट्स माहौल को रोमैंटिक भी बनाते हैं। लैवेंडर, सिनमन, जैस्मिन, क्यूकंबर, मेलन, ऑरेंज ब्लॉसम, लाइट रोज और पचोली जैसी सुगंध यहां अच्छी लगती हैं। लैवेंडर व वनीला से अच्छी नींद आती है तो यूकेलिप्टस या मिंट की सुगंध दबाव व थकान को दूर करती है। स्ट्रॉन्ग फ्रेग्रेंस का इस्तेमाल यहां न करें।

किड्स रूम की खुशबू बच्चों के बेडरूम या स्टडी में लेमनग्रास जरूरी है। इससे बने एसेंशियल ऑयल की एक बूंद भी कीटाणुओं से लडने में कारगर है। इसकी खुशबू एकाग्रता बढाती है। परीक्षा के दौरान इसका इस्तेमाल करें। रीड डिफ्यूजर या सरैमिक पॉट में इसकी एक-दो बूंद डालें और उसमें बैंबू स्टिक्स रखें। यह कॉम्बो किड्स रूम के लिए बेस्ट है।

किचन और डाइनिंग रूम

किचन में फूड सेंटेड कैंडल्स सही विकल्प हैं। वनीला, एपल, कॉफी, कुकी फ्लेवर्ड या सिट्रस फ्रेग्रेंसेज का चयन कर सकते हैं। पंपकिन, जिंजरब्रेड और सिनमन भी सही विकल्प हैं। पचोली, तुलसी या बेसिल भी विषैले तत्वों को डिटॉक्सीफाई करने में कारगर है। डाइनिंग रूम में फ्लोरल और फूड सेंट्स प्रयोग न करें। स्ट्रॉन्ग गंध खाने के स्वाद को प्रभावित कर सकती है। फ्रूटी फ्रेग्रेंसेज जैसे क्यूकंबर और व्हाइट सिट्रस किचन और डाइनिंग रूम के लिए सही हैं। बाथरूम के लिए लिनेन, सिट्रस, मिंट या ओशन थीम वाली खुशबू अच्छी लगती हैं। यहां व्हाइट, ब्ल्यू या बेज कलर्स की कैंडल्स अच्छी लगेंगी। डिफ्यूजर्स का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

फ्रेग्रेंस का मन से रिश्ता

लैवेंडर: शांति, संतुलन, सुकून देती है इसकी खुशबू। इससे तनाव, थकान, चिडचिडाहट, कुठाएं, नर्वस एंग्जायटी, पैनिक हिस्टीरिया एवं इन्सोम्निया की समस्याएं दूर होती हैं।

सिनमन और जैस्मिन: यह फ्रेग्रेंस मन में सपने, इच्छाएं और आशा जगाती है। इसके अलावा व्यक्ति का आत्मविश्वास बढाने में भी कारगर है।

क्यूकंबर-मेलन: क्यूकंबर और मेलन का यूनीक कॉम्बो स्त्रियों की सेंसुअलिटी को बढाने में कारगर है। यह मन में रोमैंटिक भावनाओं का संचार भी करता है, साथ ही मसल्स को राहत देता है और तनाव व दबाव से उबारता है।

ऑरेंज ब्लॉसम और पचोली: टैंजरीन व पचोली की खुशबू आत्मविश्वास बढाने और मन में आशा का संचार करने में कारगर मानी जाती है। इससे तनाव-दबाव सहित पावन तंत्र से जुडी समस्याएं भी दूर होती हैं।

प्राकृतिक तरीके

हाउसप्लांट्स में निवेश करें: अपने किचनगार्डन, बैलकनी या लॉन में कुछ फूल-पौधे या हर्ब्स अवश्य लगाएं ताकि इनकी महक घर को सुगंधित कर दे। किचन, बाथरूम, लिविंग रूम में भी हर्ब्स या छोटे पॉट्स रखे जा सकते हैं। हरे-भरे पौधे वायु प्रदूषण को भी कम करते हैं।

किचन को बनाएं खुशबू की लेबोरेट्री: संतरे के छिलके, नीबू या कोई भी सिट्रस फ्रूट्स किचन और फ्रिज को महका सकते हैं। गर्म पानी से भरे एक छोटे बोल में इन छिलकों को रखें तो किचन में फ्रेश सेंट महकेगा। बचे हुए छिलकों को बेकार न होने दें। इन्हें गर्म पानी में थोडे से डिटर्जेंट के साथ मिलाएं और इस मिश्रण से किचन यूटेंसिल्स या प्लेटफॉर्म की सफाई करें। सफाई बेहतर होगी तो बैक्टीरिया बेअसर होंगे और मन में भरेगा ताजगी भरा एहसास।

व्हाइट वेनेगर: कमरे के एक कोने में व्हाइट वेनेगर (सिरका) से भरे बोल रखें। दुर्गंध हटाने का यह प्राकृतिक तरीका है। घर के अलग-अलग हिस्सों को अलग खुशबू दें। लिविंग रूम के लिए लैवेंडर, बेडरूम में सैंडलवुड या बाथरूम में पैपरमिंट का इस्तेमाल करके देखें।

दूरियां मिटाते ब्रिज...

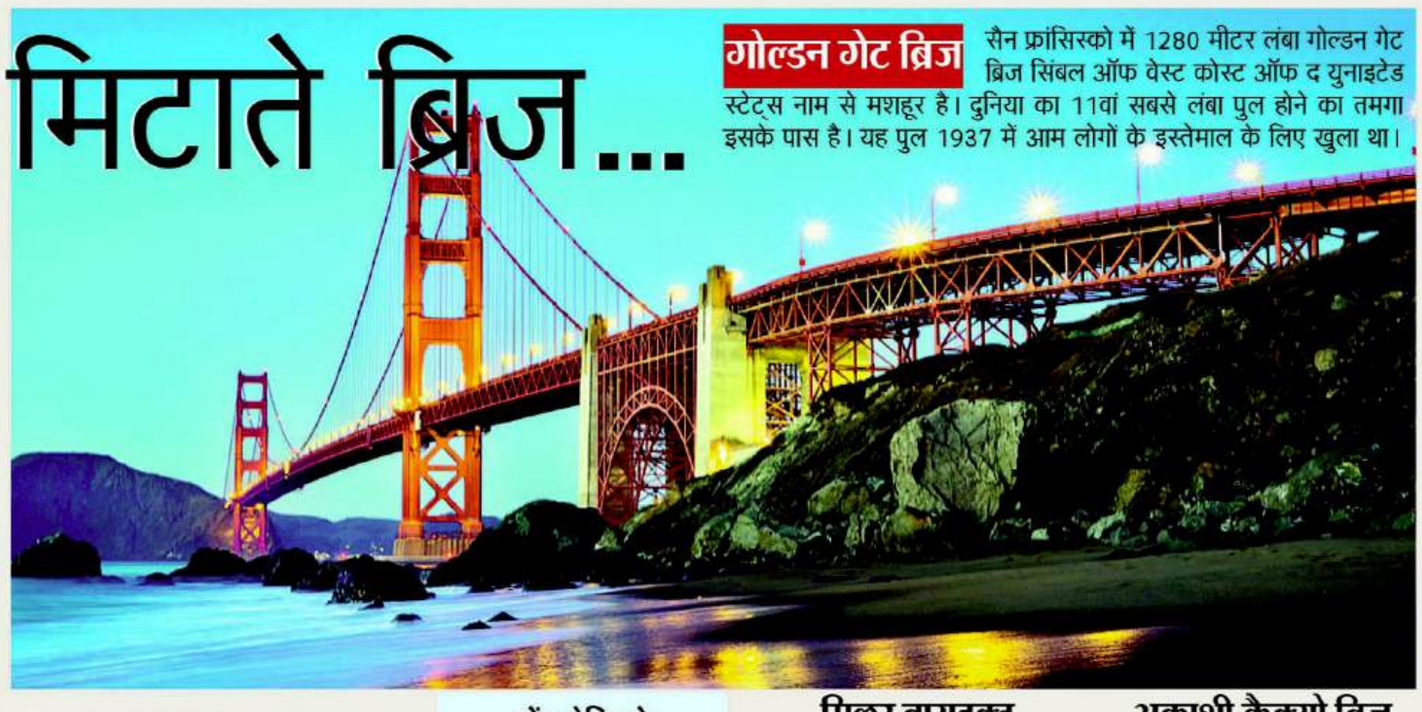

गोल्डन गेट ब्रिज सैन फ्रांसिस्को में 1280 मीटर लंबा गोल्डन गेट ब्रिज सिंबल ऑफ वेस्ट कोस्ट ऑफ द युनाइटेड स्टेट्स नाम से मशहूर है। दुनिया का 11वां सबसे लंबा पुल होने का तमगा इसके पास है। यह पुल 1937 में आम लोगों के इस्तेमाल के लिए खुला था।

इस विशाल दुनिया को अगर कोई चीज एक करती है तो वह है नदी, सागर पर बने पुल। इनमें से अनेक अपनी खूबसूरती, ऊंचाई और लंबाई के लिए मशहूर हैं। हमेशा से पुलों का खासा महत्व रहा है, क्योंकि इनके बिना जमीनी परिवहन संभव ही नहीं। लोगों, संस्कृतियों को एक-दूसरे के करीब लाते पुलों पर एक नजर।

टॉवर ब्रिज

लंदन में टॉवर ब्रिज 1886 में बनना शुरू हुआ और 1894 में बनकर तैयार हो गया। यह टेम्स नदी पर बना है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा पर्यटकों को अपनी ओर खींचने वाला पुल है।

ब्रूकलिन ब्रिज

न्यूयॉर्क में ब्रूकलिन ब्रिज 1883 में बनकर तैयार हुआ। यह अमेरिका के सबसे पुराने सस्पेंशन ब्रिज में से है। ब्रूकलिन ब्रिज न्यूयॉर्क में पर्यटकों के लिए हमेशा से खासी दिलचस्पी का केंद्र रहा है।

सिडनी हार्बर ब्रिज

ऑस्ट्रेलिया का सिडनी हार्बर ब्रिज अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर है। इस पुल पर हर नए साल पर होने वाली आतिशबाजी बेहद खास होती है।

पोंट वेक्कियो

इटली में पत्थर से बना पोंट वेक्कियो ब्रिज इकलौता ऐसा पुल है, जो द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका से बचा रहा। इस पुल पर दुकानें भी हैं। खास तौर पर ऑर्ट और ज्वैलरी की।

रिअल्टो ब्रिज

इटली के वेनिश शहर के 4 सबसे बड़े और पुराने पुलों में से एक है रिअल्टो ब्रिज। यह साल 1591 में बनकर तैयार हुआ, जिसने 1524 में तबाह हुए लकड़ी के पुल का स्थान लिया।

मिल्लउ वायडक्ट

फ्रांस में 343 मीटर ऊंचा मिल्लउ वायडक्ट ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है। यह 2004 में बनकर तैयार हुआ, जो दक्षिणी फ्रांस में है। यह पुल एफिल टॉवर से भी ऊंचा है।

चार्ल्स ब्रिज

प्रॉग में व्लातवा नदी पर बना यह पुल 1357 ईस्वी में बनना शुरू हुआ और 15वीं शताब्दी की शुरुआत में जाकर बना। यह पुल पुराने प्रॉग शहर को तटीय क्षेत्र से जोड़ता है।

अकाशी कैक्यो ब्रिज

जापान में अकाशी कैक्यो ब्रिज1991 मीटर लंबा है, जो 1998 में बनकर तैयार हुआ। यह दुनिया का चौथा लंबा पुल है।

ग्रेट बेल्ट ब्रिज

डेनमार्क में ग्रेट बेल्ट ब्रिज1998 में बनकर तैयार हुआ। यह डेनिश आईलैंड ऑफ जीलैंड और फुनेन को जोड़ता है। यह पुल 6790 मीटर लंबा और 154 मीटर ऊंचा है। यह दुनिया का 8वां सबसे लंबा ब्रिज है।

दिव्यांका त्रिपाठी जल्द बनेंगी मां

टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी ने आखिरकार अपनी प्रेग्नेंसी की खबर की पुष्टि कर दी है। उन्होंने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बताया कि वह अपने पति विवेक दहिया के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। साल 2016 में भोपाल में शादी के बंधन में बंधे इस कपल के लिए यह पल बेहद खास है, और लगभग 10 साल बाद माता-पिता बनने को लेकर दोनों काफी उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने इस खुशखबरी को करीब छह महीने तक निजी रखा। दिव्यांका ने बातचीत में बताया कि वह जून के मध्य में अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगी। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का बेहद खास और भावुक समय है। विवेक और मैं अब बच्चा चाहते थे, हमने कोशिश की और यह हो गया। हम खुद को धन्य मानते हैं और दोनों परिवार भी इस खबर से बेहद खुश हैं, उन्होंने कहा।

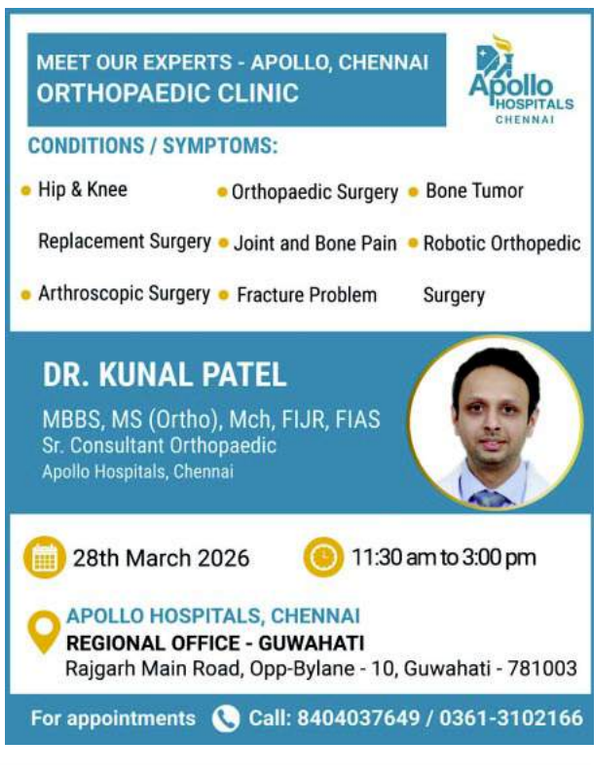

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**